सांध्य दैनिक

# श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 338 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शनिवार 20 सितंबर 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-


## खास-खबर

### रेलवे ने दिया 9 दिनों के लिए डोंगरगढ़ में 10 एक्सप्रेस ट्रेनों का स्टॉपेज, दुर्ग से चलेगी नई मेमू

**भिलाई।** 22 सितबंर को नवरात्रि शुरू हो रही है। नवरात्रि के दिनों में मां बमलेश्वरी के दर्शनों के लिए डोंगरगढ़ में दर्शनार्थियों की भारी भीड़ रहती है। छत्तीसगढ़ व महाराष्ट्र के लाखों श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं। इसके कारण डोंगरगढ़ जाने वाली ट्रेनों में अतिरिक्त भीड़ भी हो जाती है। इसे देखते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा 10 एक्सप्रेस ट्रेनों को 9 दिनों के लिए डोंगरगढ़ में ठहराव दिया जा रहा है। इसके साथ की दुर्ग से नई मेमो और दो मेमू का गोंदिया तक विस्तार किया जा रहा है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा इस दौरान 22 सितंबर से 1 अक्टूबर तक 10 एक्सप्रेस ट्रेनों को डोंगरगढ़ रेलवे स्टेशन में 9 दिन के लिए स्टापेज दिया जा है। इसके लिए रेलवे प्रशासन ने समय सारिणी भी जारी कर दी है। पांच जोड़ी ट्रेनें यानी 10 एक्सप्रेस ट्रेनों का ठहराव 22 सितंबर से 1 अक्टूबर तक सुनिश्चित किया गया है। इन ट्रेनों में बिलासपुर-भगत की कोठी-बिलासपुर, बिलासपुर-बीकानेर-बिलासपुर, बिलासपुर-चेन्नई-बिलासपुर, बिलासपुर-पुणे-बिलासपुर और रायपुर-सिकंदराबाद-रायपुर एक्सप्रेस का स्टापेज 2 मिनट के लिए दिया जाएगा।

**गोंदिया-दुर्ग मेमू को रायपुर तक बढ़ाया :** गोंदिया-दुर्ग मेमू को 9 दिन के लिए रायपुर तक बढ़ाया गया है। यह ट्रेन गोंदिया से दुर्ग तक पहुंचने के बाद भिलाई नगर, भिलाई पावर हाउस, भिलाई, देव बलौदा चरौदा, डी-केबिन, कुम्हारी, सरोना होते हुए रायपुर पहुंचेगी। वापसी में भी यही मार्ग तय करते हुए गोंदिया लौटेगी। इसी तरह रायपुर-डोंगरगढ़ मेमू को 9 दिन के लिए गोंदिया तक बढ़ाया गया है। यह ट्रेन डोंगरगढ़ से चलकर गुदमा, आमगांव, धानौली, सालेकसा, दरेकसा, बोरतलाव, पनिया-जोब होते हुए गोंदिया पहुंचेगी। वापसी में गोंदिया से डोंगरगढ़ होते हुए रायपुर तक जाएगी। इसके अतिरिक्त दुर्ग और डोंगरगढ़ के मध्य 9 दिन के लिए एक मेमू स्पेशल ट्रेन भी चलाई जाएगी। यह ट्रेन दुर्ग से रसमरा, मुरहीपार, परमलकसा, राजनांदगांव, बकल, मुसरा, जटकन्हार होते हुए डोंगरगढ़ पहुंचेगी।

### बैंक अधिकारी और डॉक्टर के घर चोरी, मोहल्ले में दहशत का माहौल

**राजनांदगांव।** जिले में 3-4 दिन के अंदर 5 जगह चोरी हुई है। 19 सितंबर की रात ब्लू डायमंड सिटी कॉलोनी में डॉ. प्रकाश भालेराव के मकान से चोर 30 हजार रुपए नगद और 70 हजार रुपए के जेवरात ले गए। मामला बसंतपुर थाना क्षेत्र का है। इसी कॉलोनी से चोर बैंक प्रबंधक चंद्रप्रकाश देशमुख और राजेश करडे की बाइक भी ले गए। बताया जा रहा है वारदात के समय मकान में कोई नहीं था। वहीं, 2 दिन पहले घड़ी दुकान और मेडिकल शॉप में भी चोरी हुई थी। बसंतपुर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इसी के साथ मानव मंदिर चौक पर मंगलवार (16 सितंबर) की रात चोरों ने नरेश वॉच और गणेश मेडिकल स्टोर में भी चोरी की थी। नरेश वॉच की दुकान 18 सितंबर को बंद थी। अगले दिन सुबह दुकान खोलने पर चोरी का पता चला। इस मामले में कोतवाली थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

# छत्तीसगढ़ के नेशनल हाइवे बन रहे ग्रीन कॉरिडोर एनएचएआई ने इस साल लगाए ढाई लाख पौधे

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) जहां एक ओर देश में सड़कों का जाल बिछा रहा है, वहीं दूसरी ओर राजमार्गों के किनारों और डिवाइडर्स पर पौधे लगाकर ग्रीन कॉरिडोर भी तैयार कर रहा है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने 'एक पेड़ माँ के नाम 2.0' अभियान के तहत इस साल छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय राजमार्गों के किनारे और डिवाइडर्स पर दो लाख 71 हजार से ज्यादा पौधे लगाकर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। राष्ट्रीय राजमार्गों के विस्तार के साथ-साथ प्राधिकरण उन्हें 'ग्रीन कॉरिडोर' में भी बदल रहा है।

- एक पेड़ माँ के नाम 2.0 अभियान के तहत सड़कों के किनारे और डिवाइडर्स पर पौधरोपण
- छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय राजमार्ग तरक्की की राह के साथ-साथ हरियाली की छांव भी : मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन में 'एक पेड़ माँ के नाम 2.0' अभियान छत्तीसगढ़ में हरियाली, स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण की नई दिशा दे रहा है। राष्ट्रीय राजमार्गों पर दो लाख 71 हजार से अधिक पौधे रोपित होना इस बात का प्रमाण है कि सड़क निर्माण केवल विकास की आधारशिला नहीं, बल्कि भावी पीढ़ियों के लिए स्वच्छ वायु और हरित जीवन का भी संकल्प है। राष्ट्रीय राजमार्ग से छत्तीसगढ़ में नागरिकों को तरक्की की राह के साथ ही हरियाली की छांव भी मिल रही है। उन्होंने कहा कि ग्रीन कॉरिडोर का यह प्रयास छत्तीसगढ़ को न केवल यातायात सुविधा में बल्कि पर्यावरणीय संतुलन में भी देश के अग्रणी राज्यों में स्थापित करेगा।

राष्ट्रीय राजमार्गों के डिवाइडर्स पर मीडियन प्लांटेशन के रूप में पौधे लगाए गए हैं, जबकि किनारों पर एवेन्यू प्लांटेशन के रूप में पौधरोपण किया गया है। इनमें काफी संख्या में बड़े फलदार और छायादार वृक्ष भी शामिल हैं। नए इलाकों में पौधरोपण के साथ ही पिछले वर्षों में क्षतिग्रस्त हुए पौधों को बदलने के लिए 68 हजार 297 जगहों पर रिप्लांटेशन भी किया गया है। इस तरह चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 में अब तक (15 सितम्बर 2025 तक) कुल दो लाख 71 हजार 253 पौधे राष्ट्रीय राजमार्गों पर लगाए गए हैं।

### निर्धारित लक्ष्य से अधिक हुआ पौधरोपण

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ के राष्ट्रीय राजमार्गों में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के महत्वाकांक्षी 'एक पेड़ मां के नाम 2.0' अभियान के अंतर्गत इस साल निर्धारित लक्ष्य से अधिक वृक्षारोपण किया है। रायपुर-विशाखापट्टनम (एनएच-130 सीडी) परियोजना में सर्वाधिक 97 हजार 145 पौधे लगाए गए हैं। इसके बाद महाराष्ट्र सीमा-दुर्ग-रायपुर-ओडिशा सीमा (एनएच-53) पर 46 हजार 141 पौधे, चांपा-कोरबा-कटघोरा (एनएच-149 बी) मार्ग पर 23 हजार 020 पौधे, बिलासपुर-कटघोरा (एनएच-130) मार्ग पर 16 हजार 847 पौधे, बिलासपुर-उरगा-पत्थलगांव (एनएच-130 ए) मार्ग पर 14 हजार 400 पौधे तथा सिमगा-रायपुर-धमतरी (एनएच-30) परियोजना में 5406 पौधे रोपे गए हैं।

### एक पेड़ माँ के नाम 2.0' भविष्य के लिए निवेश

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, रायपुर के क्षेत्रीय अधिकारी प्रदीप कुमार लाल ने कहा कि 'एक पेड़ माँ के नाम 2.0' सिर्फ एक अभियान नहीं है, बल्कि यह भविष्य की पीढ़ी के लिए एक निवेश है। हमारा उद्देश्य सिर्फ सड़कों का निर्माण करना नहीं, बल्कि एक स्वस्थ और सुन्दर पर्यावरण का भी निर्माण करना है। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ के विभिन्न राष्ट्रीय राजमार्गों में इस साल दो लाख दो हजार 959 नए पौधे लगाए गए हैं, जबकि 68 हजार 297 जगहों पर रिप्लांटेशन किया गया है। इस तरह छत्तीसगढ़ के राष्ट्रीय राजमार्गों पर इस साल (2025-26 में) अब तक कुल दो लाख 71 हजार 253 पौधे लगाए जा चुके हैं।

# कुम्हारी में दो स्कॉर्पियो से 6.60 करोड़ मिले, हवाला की रकम होने की आशंका

श्रीकंचनपथ न्यूज

**भिलाई।** दुर्ग जिले की कुम्हारी पुलिस ने शनिवार को दो स्कॉर्पियो वाहन से 6 करोड 60 लाख रुपए कैश बरामद किया है। इतनी बड़ी राशि किसकी है और कहां से लाई जा रही है इसकी जांच की जा रही है। कुम्हारी पुलिस ने दोनों स्कॉर्पियो वाहनों को जब्त कर लिया और रकम की जानकारी आयकर विभाग को दे दी है। वहीं स्कॉर्पियो सवार चार लोगों से पूछताछ की जा रही है।

दरअसल कुम्हारी पुलिस को मुखबिर के जरिए सूचना मिली थी कि महाराष्ट्र पासिंग दो स्कॉर्पियो वाहन से भारी मात्रा में कैश लाया जा रहा है। एसएसपी विजय अग्रवाल को इसकी सूचना दी गई और उनके निर्देश पर कुम्हारी पुलिस ने नाकेबंदी की। पुलिस नेसूचना के आधार पर दोनों स्कॉर्पियो वाहनों का रुकवाया और जांच करने पर उसमें से भारी मात्रा में कैश बरामद हुआ। गिनने पर यह कैश कुल 6 करोड़ 60 लाख रुपए था।

पुलिस ने स्कॉर्पियो वाहन में सवार 4 लोगों का हिरासत में लिया है और उनसे पूछताछ की जा रही है। पुलस ने कैश के अलावा नोट गिनने की दो मशीने और चार मोबाइल फोन भी जब्त किया है। वहीं बरामद कैश की जानकारी आयकर विभाग को दे दी गई है। पुलिस को आशंका है कि बरामद रकम हवाला कीहो सकती है। स्कॉर्पियो सवारों से पुलिस पूछताछ कर रही है। आखिर इन रुपयों का असली मालिक कौन है और यह रकम कहां से लाई जा रही थी इसकी पड़ताल की जा रही है।

# छत्तीसगढ़ में करोड़ों की जीएसटी चोरी का खुलासा 170 से अधिक बोगस फर्म बनाकर की गई चोरी

- राज्य जीएसटी विभाग की जाच में 1.64 करोड़ रुपए नकद और 400 ग्राम सोना जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** राज्य जीएसटी विभाग ने जीएसटी एनालिटिक्स और इंटेलिजेंस नेटवर्क तथा जीएसटी प्राईम पोर्टल का उपयोग करके बोगस फर्म और बोगस बिल तैयार करने वाले सिंडिकेट का पता लगाया है। इसका मास्टर माइंड मो. फरहान सोरठिया है, जो जीएसटी के कर सलाहकार के रूप में कार्य करता था। इस सिंडिकेट के कारण राज्य को प्रतिमाह करोड़ों रुपए के कर राजस्व का नुकसान होता था।

राज्य जीएसटी की बीआईयू टीम इस प्रकरण पर एक माह से कार्य कर रही थी। मास्टर माइंड मो फरहान सोरठिया के ऑफिस में 12 सितंबर को जांच की गयी। जांच के दौरान यहां से 172 फर्मों के बारे में जानकारियां मिली। फरहान ने अपने 5 ऑफिस स्टॉफ को फर्मों का पंजीयन कराने, रिटर्न फाईल करने और ई-वे बिल तैयार करने के लिये रखा था। इसके अलावा मास्टर माइंड के आफिस से बोगस पंजीयन के लिये किरायानामा, सहमति पत्र, एफ्डेविट तैयार करने के भी साक्ष्य मिले हैं।

### 822 करोड़ का ई-वे बिल जनरेट

26 बोगस फर्मों से ही 822 करोड़ का ई-वे बिल जनरेट किया गया, जबकि रिटर्न में 106 करोड रुपए का ही टर्नओव्हर दिखाया गया है। केवल इन फर्मों से ही राज्य को 100 करोड़ रुपए के जीएसटी का नुकसान होने का प्रारंभिक आंकलन है। यहां से प्राप्त दस्तावेजों के अनुसार राज्य के भीतर और पंजाब, असम, मणिपुर, ओडिसा में भी पंजीयन लिया गया है। पंजीयन के लिए बोगस दस्तावेज जैसे किरायानामा एवं सहमति पत्र भी तैयार किये जाते थे। इन फर्मों के माध्यम से बोगस सप्लाई बिल और ई-वे बिल जारी किए जा रहे थे।

### रेड में मिली डेढ़ करोड़ से ज्यादा नगदी

मो फरहान के बोगस फर्मों से संबंधित दस्तावेज छुपाये जाने की सूचना पर विभाग ने 17 सितंबर को फरहान के चाचा मो अब्दुल लतीफसोरठिया के आवास में सर्च किया गया। वहां अधिकारियों को 1 करोड़ 64 लाख रुपए के नोट और 400 ग्राम सोने के 4 बिस्किट मिले। विभाग के अधिकारियों ने इसे जब्त कर के आयकर विभाग को सूचना दे दी है। जीएसटी अधिकारियों द्वारा इन फर्मों से करोड़ों रुपए के जीएसटी फ्रॉड की राशि की गणना की जा रही है। इस प्रकरण में कई ब्रोकर, स्क्रैप डीलर और इनपुट टैक्स क्रेडिट के लाभ लेने वाली कम्पनियाँ भी विभाग के जांच के दायरे में है।

# ब्रह्मपुर-सूरत के बीच जल्द चलेगी अमृत भारत एक्सप्रेस, छत्तीसगढ़ के लोगों को मिलेगा लाभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

**भिलाई।** ब्रह्मपुर (ओडिशा)-उधना (सूरत, गुजरात) के बीच अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन चलाने की स्वीकृति मिल गई है। जल्द ही सूरत व ब्रह्मपुर के बीच यह एक्सप्रेस शुरू हो जाएगा। इस ट्रेन के शुरू होने से दुर्ग रायपुर के लाखों आंध्र व ओडिशा के लोगों को लाभ मिलेगा। लंबे समय से दुर्ग से ब्रह्मपुर तक सीधी ट्रेन की मांग की जा रही थी जो कि कुछ हद पूरी होगी। हालांकि इसे सूरत से ब्रह्मपुर के बीच चलाया जा रहा है इसके बाद भी दुर्ग-भिलाई व रायपुर सहित छत्तीसगढ़ में रहने वाले आंध्र-ओड़िशा के लोगों को राहत मिलेगी।

भारतीय रेल गुजरात से लेकर छत्तीसगढ़ व ओड़िशा के यात्रियों की सुविधा के एक और सौगात देने जा रही है। जल्द ही अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन का परिचालन ब्रह्मपुर (ओडिशा) से उधना (सूरत, गुजरात) के बीच प्रारंभ किया जाएगा। यह नयी ट्रेन ओडिशा से गुजरात तक सीधी लंबी दूरी की कनेक्टिविटी उपलब्ध कराएगी और पूर्वी, मध्य तथा पश्चिम भारत के अनेक महत्वपूर्ण जिलों और शहरों को जोड़ेगी। इस नयी ट्रेन के मार्ग में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के गोंदिया, राजनांदगांव, दुर्ग, रायपुर व महासमुंद जैसे स्टेशन शामिल हैं। इससे इस क्षेत्र के यात्रियों को लंबी दूरी की यात्रा हेतु सीधी और सुगम सुविधा उपलब्ध होगी।

### अमृत भारत एक्सप्रेस से यात्रा सहज व सुविधाजनक

ओडिशा से गुजरात तक सीधी और तेज रेल कनेक्टिविटी, जिससे यात्रियों का यात्रा समय घटेगा। खनिज, वस्त्र, औद्योगिक व व्यापारिक क्षेत्रों को जोड़कर आर्थिक एवं औद्योगिक गतिशीलता को प्रोत्साहन मिलेगा। आधुनिक एलएचबी कोचों से युक्त, आरामदायक यात्रा अनुभव जिसमें बेहतर सीटिंग और ऑनबोर्ड सुविधाएं होंगी। पूर्वी, मध्य और पश्चिम भारत के सामाजिक-सांस्कृतिक संबंधों को और अधिक सुदृढ़ करेगी। इस अमृत भारत एक्सप्रेस के प्रारंभ होने से न केवल ओडिशा, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और गुजरात के यात्रियों को लाभ मिलेगा, बल्कि दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के स्टेशनों से भी यात्रियों की यात्रा और अधिक सहज एवं सुविधाजनक होगी।

# फुड डिलीवरी के काम में भी जोखिम बड़े

श्रीकंचनपथ

रात बेरात खाने की डिलीवरी देने के लिए सड़कों पर गाड़ियां दौड़ाने वाले डिलीवरी बॉयज की जान जोखिम में है। स्विगी, ब्लिंकिट, जोमाटो जैसी कंपनियों में लड़कियां भी इस काम को अंजाम दे रही हैं। प्रायवेट की नौकरियों की बात करें तो इसमें पैसा भी ठीक-ठाक है। क्वालिफिकेशन के नाम पर अपना दुपहिया और ड्राइविंग लाइसेंस होना काफी है। कोई नहीं पूछता कि किस क्लास में आपके कितने परसेंट मार्क्स आए थे। पहले केवल विदेशों में और बड़े शहरों में ही प्रवासी स्टूडेन्ट्स पार्ट टाइम जॉब कर पाते थे। अब यह अवसर छोटे शहरों तक जा पहुंचा है। न केवल फुड डिलीवरी बल्कि चुनिंदा शहरों में रैपिडो सर्विस भी टू-व्हीलर राइडर हायर करती है। जब से गूगल मैप आया है एड्रेस ढूंढना भी कोई चुनौती नहीं रही। पर इस काम में भी बड़े जोखिम हैं। एक तो समय पर डिलीवरी का प्रेशर ट्रैफिक रूल्स तोड़ने के लिए उकसाता है। दूसरा यह कि दिन भर टू-व्हीलर पर बैठने रहने के कारण हेल्थ इशूज का भी सामना करना पड़ सकता है। सबसे ज्यादा खतरा उन लोगों को है जो रात को आर्डर सप्लाई करने जाते हैं। कुछ समय पहले भिलाई के जामुल थाने में एक मामला आया। यहां तीन नाबालिग लड़कों ने स्विगी के डिलीवरी बॉय को लूट लिया। 28 मार्च 2025 की रात 1.17 बजे वह घासीदास नगर जामुल में ऑर्डर डिलीवर करने गया था जहां 5 लड़कों ने मिलकर उसे लूट लिया। पिछले महीने दिल्ली में एक राइडर लूट का शिकार हो गया। आधी रात को किसी ने बटर चिकन ऑर्डर किया और उसे एक सुनसान स्थान पर बुलाया। वहां राइडर को लूट लिया गया। मध्यप्रदेश के दतिया, उत्तर प्रदेश के हाजीपुर, बिहार के मुजफ्फरपुर से भी इस तरह की खबरें आती रही हैं। मुजफ्फरपुर में तो एक डिलीवरी बॉय की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। डिलीवरी बॉयज को लेकर पुलिस का रवैया भी अजीब सा है। इसकी वजह भी है। अपराधी गिरोह डिलीवरी बॉय के लिबास में लूट को अंजाम देते फिर रहे हैं। हम इसे पसंद करें या न करें पर डिलीवरी बॉयज आज हमारी लाइफ-स्टाइल का अभिन्न हिस्सा बन चुके हैं। इन युवाओं की सुरक्षा, चिकित्सा और सहूलियत के बारे में सोचना समाज की जिम्मेदारी भी है। जो लोग चिलचिलाती दोपहरी में या मूसलाधार बारिश में आधी रात को घर बैठे भोजन ऑर्डर करते हैं, उन्हें भी इनके प्रति संवेदनशील होना होगा। ऐसे मौसम में जब घर के लोग भी कदापि घर से न निकलें, तब भी ये बच्चे पीठ पर बक्सा-बैग लटकाए डिलीवरी देते मिल जाएंगे। इनके वर्क कंडीशन्स को देखते हुए केन्द्र सरकार ने बजट 2025 में कुछ प्रावधान किये हैं जिसमें बीमा और पेंशन शामिल है। इन वर्कर्स को पहचान पत्र देकर उनका ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकरण किया जाएगा। इनका पांच लाख तक का स्वास्थ्य बीमा होगा। ज़ोमैटो जैसे प्लेटफॉर्म अपने डिलीवरी पार्टनर्स को बीमा लाभ प्रदान करते हैं।

संपादकीय

# आतिशबाजी रहित उत्सवों की परम्परा का सूत्रपात हो

पर्यावरण संकट हमारे समय की सबसे बड़ी चुनौती बन चुका है। बढ़ता प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक संसाधनों की लगातार हो रही क्षति ने जीवन को असहज और असुरक्षित बना दिया है। यह संकट किसी दूर के भविष्य की चिंता नहीं है, बल्कि हमारे रोजमर्रा के जीवन को प्रभावित कर रहा है। राजधानी दिल्ली इसका सबसे जीवंत उदाहरण है, जहाँ दीपावली और अन्य त्योहारों के बाद वायु गुणवत्ता इतनी खराब हो जाती है कि सांस लेना तक मुश्किल हो जाता है। इसका एक प्रमुख कारण पटाखों का प्रयोग है। पटाखे और आतिशबाज़ी कुछ क्षणों के लिए उत्सव का शोर और रोशनी जरूर बिखेरते हैं, लेकिन उनके पीछे छूट जाता है जहरीला धुआं, असहनीय शोर, सांस लेने में तकलीफऔर एक असंतुलित वातावरण। इस स्थिति में दिल्ली व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में पटाखों पर अंकुश लगाने के संदर्भ में देश की शीर्ष अदालत की टिप्पणी संवेदनशील और मार्गदर्शक होने के साथ-साथ जनजागरूकता बढ़ाने वाली है। कोर्ट ने सख्त लहजे में कहा कि यदि साफ वायु राष्ट्रीय राजधानी के विशिष्ट लोगों का हक है तो यह हक शेष देश के हर व्यक्ति को भी मिलना चाहिए। दिल्ली ही नहीं, सम्पूर्ण देश में वायु प्रदूषण को नियंत्रण करना जरूरी है।

> **“ दुनिया भर के प्रदूषित देशों में भारत पांचवें नंबर पर है, दुनिया के सबसे ज्यादा प्रदूषित शहर भी हमारे ही देश में हैं, ऐसे तेरह शहर दुनिया के शीर्ष बीस प्रदूषित शहरों में शुमार हैं, इन चिन्ताजनक हालातों में हवा को जहरीला बनाने वाले पटाखे निरंकुश रूप से जलाना एक आत्मघाती कदम ही है। पटाखों के दुष्प्रभाव स्पष्ट और प्रमाणित हैं। वे वातावरण में जहरीली गैसों का उत्सर्जन करते हैं, जिससे हवा की गुणवत्ता अचानक बेहद खराब हो जाती है। दीपावली की रात पटाखों से निकलने वाला धुआं कई दिनों तक हवा में बना रहता है और सांस की तकलीफ, आंखों में जलन, हृदय रोग और दमा जैसी बीमारियों को और गंभीर कर देता है। पटाखों से होने वाला ध्वनि प्रदूषण बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों के लिए भय और असहनीय पीड़ा का कारण बनता है। पशु-पक्षियों की स्थिति भी दयनीय हो जाती है, उनके जीवन में असुरक्षा और बेचैनी घुल जाती है। यह सब जानते हुए भी आतिशबाज़ी को लेकर समाज में अब भी ढिलाई और परंपरा के नाम पर अनदेखी जारी रहना दुर्भाग्यपूर्ण एवं विडम्बनापूर्ण है।**

दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में दीपावली के बाद की स्थिति किसी आपदा से कम नहीं होती। पिछले वर्ष दीपावली के दौरान दिल्ली के कई इलाकों में वायु गुणवत्ता सूचकांक यानी एक्यूआई 300 से ऊपर चला गया और बहुत खराब से गंभीर श्रेणी में दर्ज हुआ। यह हर साल का दोहराया जाने वाला दृश्य है और हर साल सरकार, समाज और न्यायपालिका को इसे लेकर चिंतित होना पड़ता है। सुप्रीम कोर्ट ने भी इस विकट स्थिति को गंभीरता से लिया है और हाल के वर्षों में बार-बार स्पष्ट किया है कि केवल दिल्ली ही नहीं, बल्कि पूरे देश में पटाखों पर रोक लगनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी के आलोक में हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि अब चाहे दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर बर्नीहाट हो या पंजाब व राजस्थान के सबसे अधिक प्रदूषित शहर हों, उन्हें भी पटाखों के नियमन का लाभ मिलना चाहिए। हाल ही में अदालत ने सरकारों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि पटाखों के उत्पादन, बिक्री और भंडारण पर पूर्ण रोक हो, और जो भी इन नियमों का उल्लंघन करे उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। अदालत का यह रुख केवल कानूनी आदेश नहीं है, बल्कि समाज को चेताने वाला संदेश भी है कि अब हमें अपने उत्सवों की परिभाषा बदलनी होगी।

दिल्ली सरकार ने भी सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के अनुरूप पर्यावरण संरक्षण अधिनियम की धारा 5 के तहत पटाखों पर पूर्ण और स्थायी प्रतिबंध लागू किया है। इस प्रतिबंध के अनुसार न तो पटाखों का उत्पादन हो सकता है, न बिक्री और न ही भंडारण या उपयोग। यह कदम पर्यावरण और नागरिकों के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए जरूरी था। लेकिन केवल सरकारी आदेश और अदालत के निर्देश काफी नहीं होंगे, जब तक समाज स्वयं अपनी सोच और व्यवहार में बदलाव नहीं लाता। परंपराओं को बदलने में समय लगता है, लेकिन जैसे लोग धीरे-धीरे प्लास्टिक के खिलाफ खड़े हुए और विकल्प तलाशने लगे, वैसे ही आतिशबाज़ी से मुक्त त्योहारों को भी अपनाया जा सकता है। सवाल यह है कि हम लोग क्यों नहीं सोचते कि हमारे पटाखे जलाने से श्वास रोगों से जूझते तमाम लोगों का जीना दुश्वार हो जाता है। यह एक हकीकत है कि देश के तमाम शहरों में हवा ही नहीं, पानी व मिट्टी तक में जहरीले तत्वों का समावेश हो चुका है। जो न केवल हमारी आबोहवा के लिये बल्कि हमारे शरीर के लिये भी घातक साबित हो रहा है। यही वजह है कि हाल के वर्षों में देश में श्वसन तंत्र से जुड़े रोगों में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। साथ ही प्रदूषित हवा के प्रभाव में सांस संबंधी रोगों से लोगों के मरने का आंकड़ा भी बढ़ा है।

कहीं न कहीं हमारे वातावरण में बढ़ता प्रदूषण ग्लोबल वार्मिंग बढ़ाने वाले कारकों में वृद्धि भी कर रहा है। लेकिन पटाखों से होने वाला प्रदूषण ऐसा है जो हमारे संयम के जरिये रोका जा सकता है। चिंता की बात यह है कि पटाखों के जलने से निकलने वाले कण हमारे श्वसनतंत्र को नुकसान पहुंचाने के साथ ही हमारे खून में घुल रहे हैं। जिसमें पीएम 2.5 और पीएम 10 जैसे महीन कण फेफड़ों में प्रवेश करके गंभीर रोगों को जन्म दे रहे हैं। इतना ही नहीं पटाखे जलाने के कारण जहरीली रासायनिक गैसों के रिसाव से हमारे पारिस्थितिकीय तंत्र को गंभीर क्षति पहुंच रही है। इससे ओजोन परत भी क्षतिग्रस्त हो रही है। साथ ही ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन भी हमारे वायुमंडल में जलवायु परिवर्तन के संकटों को बढ़ाने में भूमिका निभा रहा है।

त्योहार और उत्सव हमारे जीवन का हिस्सा हैं। वे सामाजिक जुड़ाव, सांस्कृतिक गौरव और सामूहिक खुशी का प्रतीक हैं। लेकिन जब खुशी मनाने का तरीका ही हमारे स्वास्थ्य और जीवन के लिए संकट बन जाए, तब उस पर गंभीर पुनर्विचार आवश्यक हो जाता है। दीपावली पर पटाखों की परंपरा समाज में गहराई तक पैठ चुकी है। लोग इसे परंपरा, रौनक और आनंद का प्रतीक मानते हैं। अक्सर यह तर्क दिया जाता है कि बिना पटाखों के त्योहार अधूरा लगता है। लेकिन यह सोच आज के समय में बेहद खतरनाक साबित हो रही है। त्योहार की असली रौनक दीपों की जगमगाहट, परिवार की एकजुटता, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और सामूहिक उत्सवों में है। संगीत, नाटक, कला और पारंपरिक दीपक किसी भी पटाखे से कहीं अधिक स्थायी आनंद दे सकते हैं। समय आ गया है कि हम यह स्वीकार करें कि आतिशबाज़ी अब हमारी खुशियों का हिस्सा नहीं रह सकती। खुशियों का असली मतलब है एक-दूसरे के साथ का आनंद, स्वच्छ वातावरण में खुलकर सांस लेना और समाज में शांति और प्रेम का संचार करना। अगर हम चाहते हैं कि हमारी अगली पीढ़ी सुरक्षित और स्वस्थ जीवन जी सके, तो आतिशबाज़ी को त्यागना ही होगा। सरकारें अपनी नीतियों से इस दिशा में पहल कर चुकी हैं, अदालत ने भी कठोर आदेश दिए हैं, अब बारी समाज की है कि वह अपनी सोच बदले और अपने त्योहारों को पटाखों के बिना भी और अधिक रोशन और सार्थक बनाए। एक नागरिक के तौर पर हमारी जिम्मेदारी व संवेदनशीलता ही हमें इस संकट से उबार सकता है। विगत में सख्त कानून लागू करने के बावजूद नागरिकों के गैर-जिम्मेदार व्यवहार से प्रदूषण का संकट बढ़ा ही है। जब हम प्रकृति को नुकसान पहुंचाए बिना त्योहार मनाएंगे, तभी सच्चे अर्थों में हमारे उत्सव जीवनदायी और सार्थक बनेंगे।

# टेक्नोलॉजी के चैंपियन हैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी



अश्विनी वैष्णव

याद है कि जब सरकारी दस्तावेज बनवाना बड़ा मुश्किल काम हुआ करता था। कई बार चक्कर लगाने पड़ते थे, लंबी लाइनें लगती थीं, और कभी-कभी बेवजह की फीस देनी पड़ती थी। अब वही दस्तावेज सीधे आपके फोन पर मिल जाते हैं। यह बदलाव यूं ही नहीं हुआ। प्रधानमंत्री मोदी ने तकनीक को भारत का सबसे बड़ा समान अवसर देने वाला साधन बना दिया। मुंबई का एक रेहड़ी-पटरी वाला भी वही यूपीआई पेमेंट सिस्टम इस्तेमाल करता है, जो एक बड़ी कंपनी का अधिकारी करता है। उनकी सोच में तकनीक पद के अनुरूप किसी ऊंच-नीच को नहीं मानती। यह बदलाव उनकी मूल सोच अंत्योदय को दर्शाता है- यानी कतार में खड़े सबसे आखिरी व्यक्ति तक पहुंचना। हर डिजिटल पहल का मकसद है कि तकनीक को सबके लिए समान रूप से उपलब्ध कराना। गुजरात में शुरू हुए ये प्रयोग ही भारत की डिजिटल क्रांति की नींव बने।

## गुजरातः जहां से शुरुआत हुई

मुख्यमंत्री रहते हुए मोदी जी ने तकनीक और नवाचार के जरिए गुजरात को बदला। 2003 में शुरू की गई ज्योतिग्राम योजना में फीडर सेपरेशन तकनीक का उपयोग किया गया। इससे ग्रामीण उद्योगों को 24×7 नियमित बिजली मिली और तय समय पर खेतों को बिजली मिलने से ज़मीन के नीचे के पानी का स्तर कम गति से घटने लगा। महिलाएं रात में पढ़ाई कर सकीं और छोटे व्यवसाय फले-फूले, जिससे गाँव से शहर की ओर पलायन घटा। एक अध्ययन के अनुसार, इस योजना पर किए गए 1,115 करोड़ रुपये के निवेश की भरपाई सिर्फ ढाई साल में हो गई। 2012 में उन्होंने नर्मदा नहर पर सोलर पैनल लगाने का निर्णय लिया। इस परियोजना से हर साल 1.6 करोड़ यूनिट बिजली बनी, जो लगभग 16,000 घरों के लिए काफी थी। साथ ही, नहर के पानी का वाष्पीकरण कम हुआ और पानी की उपलब्धता बढ़ी। एक ही पहल से कई समस्याओं का समाधान निकालना मोदी जी की तकनीक दृष्टि को दर्शाता है। स्वच्छ ऊर्जा बनाना और पानी बचाना, दोनों साथ-साथ। यह दक्षता और प्रभाव का उदाहरण था, जो साधारण समाधानों से कहीं अधिक था। इस नवाचार को अमेरिका और स्पेन द्वारा अपनाया जाना इसकी प्रभावशीलता को और मजबूत करता है। ई-धरा प्रणाली से जमीन के कागजात डिजिटल हुए। स्वागत पहल से नागरिक वीडियो कांफ्रेंसिंग द्वारा मुख्यमंत्री से सीधे जुड़ सके। ऑनलाइन टेंडरिंग से भ्रष्टाचार पर रोक लगी। इन पहलों से भ्रष्टाचार घटा और सरकारी सेवाओं तक पहुंच आसान हुई। लोगों का शासन पर भरोसा लौटा, जिसका असर गुजरात में लगातार मिलती बड़ी चुनावी सफलताओं में दिखा।

## राष्ट्रीय परिदृश्य

2014 में उन्होंने गुजरात के अनुभव और सीख को दिल्ली में उतारा। लेकिन पैमाना कहीं बड़ा था। उनके नेतृत्व में इंडिया स्टैक बना, जो दुनिया का सबसे समावेशी डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर है। इसकी बुनियाद जैम ट्रिनिटी (जन धन, आधार, मोबाइल) पर रखी गई। जन धन खातों ने 53 करोड़ से अधिक लोगों को बैंकिंग सिस्टम से जोड़ा। जो लोग अब तक आर्थिक रूप से बाहर थे, वे पहली बार औपचारिक अर्थव्यवस्था का हिस्सा बने। ठेले वाले, दिहाड़ी मजदूर और ग्रामीण परिवार, जो केवल नकद पर निर्भर रहते थे, अब बैंक खातों से जुड़े। इससे उन्हें सुरक्षित बचत करने, सीधे सरकारी लाभ पाने और आसानी से कर्ज तक पहुंचने का अवसर मिला। आधार ने नागरिकों को डिजिटल पहचान दी। अब तक 142 करोड़ से ज़्यादा पंजीकरण हो चुके हैं। इससे सरकारी सेवाओं तक पहुंचना आसान हो गया, जहां पहले कई दस्तावेज़ों की जांच की ज़रूरत पड़ती थी। डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) ने बिचौलियों को हटा दिया और गड़बड़ी कम की। अब तक डीबीटी से 4.3 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बचत हुई है। यही पैसा स्कूल, अस्पताल और अन्य बुनियादी ढांचे बनाने में लगाया जा रहा है।

पहले ग्राहक की पहचान (केवाईसी) की प्रक्रिया कठिन थी। इसमें कागजी दस्तावेजों की जांच, मैनुअल प्रक्रिया और कई बार की भाग-दौड़ शामिल होती थी। इससे सेवा प्रदाताओं को हर वेरिफिकेशन पर सैकड़ों रुपये खर्च करने पड़ते थे। आधार आधारित ई-केवाईसी ने इस खर्च को घटाकर मात्र 5 रुपये में कर दिया। अब छोटे से छोटे लेन-देन भी आर्थिक रूप से संभव हो गए हैं। यूपीआई ने भारत के भुगतान करने का तरीका बदल दिया। अब तक 55 करोड़ से ज्यादा लोग इसका इस्तेमाल कर चुके हैं। सिर्फ अगस्त 2025 में ही 20 अरब से अधिक लेन-देन हुए, जिनकी कुल राशि 24.85 लाख करोड़ रुपये रही। अब पैसे भेजना बैंक में घंटों की परेशानी नहीं, बल्कि मोबाइल पर 2 सेकंड से भी कम का काम है। बैंक जाने, लाइन लगाने और कागजी प्रक्रिया की जगह अब क्यूआर कोड स्कैन से तुरंत भुगतान हो जाता है।

आज भारत दुनिया के कुल रियल-टाइम डिजिटल पेमेंट्स का आधा हिस्सा अकेले संभालता है। दस साल पहले भारत ज्यादातर नकद पर निर्भर था। प्रधानमंत्री मोदी की सोच ने जैम ट्रिनिटी और यूपीआई ढांचे को अंतिम रूप दिया। जब कोविड आया और उन्होंने डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा दिया, तो यह पूरा सिस्टम कामयाब साबित हुआ। नतीजा यह है कि आज यूपीआई, वैश्विक स्तर पर वीजा से भी अधिक लेन-देन करता है। एक साधारण मोबाइल फोन अब बैंक, पेमेंट गेटवे और सर्विस सेंटर सब कुछ बन गया है। 'प्रगति' ने शासन में जवाबदेही लाने का काम किया। यह प्लेटफॉर्म प्रधानमंत्री को सीधे प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग से जोड़ता है, जहां हर महीने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के ज़रिए समीक्षा होती है। जब अधिकारियों को पता होता है कि प्रधानमंत्री लाइव वीडियो में उनका काम देखेंगे, तो जवाबदेही अपने आप बढ़ जाती है। जैसे किसी राजमार्ग परियोजना में देरी हो रही हो, तो प्रगति समीक्षा के दौरान तुरंत उस पर ध्यान दिया जाता है और अधिकारियों को देरी का कारण बताना पड़ता है। इससे तुरंत सुधार होता है और आखिरकार जनता को सीधा लाभ मिलता है।

## सबके लिए तकनीक

तकनीक ने खेती और स्वास्थ्य सेवाओं को पूरी तरह बदल दिया है। हरियाणा के किसान जगदेव सिंह अब फसल से जुड़े फैसले लेने के लिए एआई ऐप्स का इस्तेमाल करते हैं। उन्हें मौसम की जानकारी और मिट्टी की सेहत का डेटा सीधे मोबाइल पर मिल जाता है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के जरिए 11 करोड़ किसानों को सीधी आय सहायता डिजिटल माध्यम से पहुंचाई जाती है। डिजी-लॉकर के अब 57 करोड़ से ज्यादा उपयोगकर्ता हैं, जिनमें 967 करोड़ दस्तावेज़ डिजिटल रूप से सुरक्षित रखे गए हैं। आपका ड्राइविंग लाइसेंस, डिग्री सर्टिफिकेट, आधार और अन्य सरकारी दस्तावेज अब आपके फोन में सुरक्षित रहते हैं। सड़क पर पुलिस चेकिंग के दौरान अब कागज ढूंढने की जरूरत नहीं। बस डिजी-लॉकर से डिजिटल लाइसेंस दिखा दीजिए। आधार ऑथेंटिकेशन से आयकर रिटर्न भरना भी बेहद आसान हो गया है। जहां पहले ढेर सारे दस्तावेजों की फाइलें साथ ले जानी पड़ती थीं, अब सब कुछ आपकी जेब में मोबाइल पर समा गया है।

## अंतरिक्ष और नवाचार

भारत ने वह कर दिखाया जो असंभव सा लगता था। मंगल तक पहली कोशिश में पहुंचना और वह भी इतने कम खर्चे में, जितना एक हॉलीवुड फिल्म पर भी नहीं लगता। मंगलयान मिशन केवल 450 करोड़ में



पूरा हुआ, जिसने साबित किया कि भारतीय इंजीनियरिंग विश्वस्तरीय नतीजे दे सकती है। चंद्रयान-3 ने भारत को चाँद पर सॉफ्ट लैंडिंग करने वाला चौथा देश बनाया और चाँद के दक्षिणी ध्रुव पर उतरने वाला पहला देश। इसरो ने एक ही मिशन में 104 उपग्रह छोड़े, जो एक विश्व रिकॉर्ड है। अब भारतीय रॉकेट 34 देशों के उपग्रह अंतरिक्ष में पहुँचा रहे हैं। गगनयान मिशन भारत को चौथा ऐसा देश बनाएगा जो अपनी स्वदेशी तकनीक से इंसानों को अंतरिक्ष में भेजेगा। प्रधानमंत्री मोदी हमारे वैज्ञानिकों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहे और उनकी क्षमताओं पर पूरा भरोसा जताया।

## वैश्विक नेतृत्व

जब कोविड-19 आया, तो पूरी दुनिया वैक्सीन बांटने की अफरा-तफरी से जूझ रही थी। भारत ने अपनी ताकत दिखाते हुए समाधान दिया। कोविन प्लेटफ़ॉर्म रिकॉर्ड समय में बनाया गया। यह दुनिया के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान का एक संपूर्ण डिजिटल समाधान था। इस प्लेटफॉर्म ने 200 करोड़ से अधिक वैक्सीन डोज को सटीक डिजिटल ढंग से संभाला। न कोई ब्लैक मार्केटिंग, न पक्षपात सिर्फ पारदर्शी वितरण। डायनैमिक एलोकेशन की वजह से बर्बादी रुकी। बची हुई वैक्सीन तुरंत उन इलाकों में भेज दी जाती थी जहां ज्यादा जरूरत थी। यह उपलब्धि दिखाती है कि जब तकनीक को राजनीतिक इच्छाशक्ति का सहारा मिलता है, तो वह बहुत बड़े स्तर पर और पूरी निष्पक्षता के साथ परिणाम दे सकती है।

## मैन्युफैक्चरिंग क्रांति

चीजें बनाने का असली नियम यह है कि आप सीधे चिप्स बनाने पर नहीं कूद सकते, पहले बुनियादी चीजें सीखनी पड़ती हैं। यह बिल्कुल वैसे है जैसे कोडिंग सीखते समय सबसे पहले हैलो वर्ल्ड से शुरुआत होती है, उसके बाद ही बड़े ऐप्स बनाए जाते हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन भी इसी क्रम का पालन करता है। देश पहले असेंबली में महारत हासिल करते हैं, फिर सब-मॉड्यूल्स, कंपोनेंट्स और उपकरणों तक आगे बढ़ते हैं। भारत की यात्रा भी इसी प्रगति को दर्शाती है। प्रधानमंत्री की दृष्टि के तहत, आज हमारी मजबूत इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन क्षमता हमें उन्नत सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग की ओर छलांग लगाने में मदद कर रही है।

भारत लंबे समय से डिजाइन टैलेंट का केंद्र रहा है। दुनिया के 20% से ज़्यादा चिप डिजाइनर यहीं हैं। अब भारत 2एनएम, 3एनएम और 7 एनएम जैसे एडवांस्ड चिप्स डिजाइन करने में सक्षम है। ये चिप्स भारत में डिज़ाइन होकर दुनिया भर के लिए बनाए जा रहे हैं। वर्तमान में फैब्स और पैकेजिंग फैसिलिटीज बनाने पर फोकस करना इस प्राकृतिक विकास का अगला कदम है। लेकिन यह सोच केवल निर्माण तक सीमित नहीं है। सेमीकंडक्टर उत्पादन में इस्तेमाल होने वाले केमिकल्स, गैस और विशेष सामग्री को भी समर्थन दिया जा रहा है। इससे केवल फैक्ट्रियाँ नहीं, बल्कि एक पूरा ईकोसिस्टम खड़ा हो रहा है। इन क्षेत्रों में बढ़ोतरी प्रधानमंत्री मोदी की वैल्यू चेन की गहरी समझ से संभव हुई है। क्षमता को कदम-दर-कदम विकसित करना और हर चरण को मजबूत बनाना, उसके बाद ही अगले स्तर पर बढ़ना।

## बुद्धिमत्ता से युक्त बुनियादी ढाँचा

पीएम गति शक्ति पोर्टल जीआईएस तकनीक का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल करता है। हर बुनियादी ढांचे की परियोजना डिजिटल रूप से मैप की जाती है। सड़कें, रेल, हवाई अड्डे और बंदरगाह अब साथ में योजना बनाकर तैयार होते हैं। अब अलग-अलग विभागों में बिखरा काम नहीं, और न ही तालमेल की कमी से होने वाली देरी। इंडिया एआई मिशन के तहत 38,000 से अधिक जीपीयू उपलब्ध कराए गए हैं, वह भी वैश्विक लागत के एक-तिहाई दाम पर। इससे स्टार्टअप, शोधकर्ताओं और छात्रों को सिर्फ 67 रुपये प्रति घंटे की दर पर सिलिकॉन वैली जैसी कंप्यूटिंग सुविधा मिली है। एआईकोश प्लेटफॉर्म पर 2,000 से ज़्यादा डेटा सेट मौजूद हैं। मौसम से लेकर मिट्टी की सेहत तक। इन्हीं की मदद से भारत की भाषाओं, कानूनों, स्वास्थ्य प्रणालियों और वित्त क्षेत्र के लिए स्थानीय एलएलएम विकसित किए जा सकते हैं। तकनीक को लेकर प्रधानमंत्री मोदी की समझ भारत की अनूठी एआई रेगुलेशन नीति में भी दिखाई देती है। दुनिया के केवल बाज़ार-आधारित या सरकार-नियंत्रित मॉडल से अलग, वे एक विशिष्ट टेक्नो-लीगल फ्रेमवर्क की कल्पना करते हैं। सख्त नियम बनाकर नवाचार को रोकने के बजाय, सरकार तकनीकी सुरक्षा उपायों में निवेश करती है। विश्वविद्यालय और आईआईटी मिलकर डीपफेक, गोपनीयता और साइबर सुरक्षा जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए एआई-आधारित उपकरण विकसित कर रहे हैं। यह दृष्टिकोण नवाचार को बढ़ावा देता है और साथ ही सुनिश्चित करता है कि तकनीक जिम्मेदारी के साथ लागू हो।

## बुनियादी ढाँचे में तकनीक

केवड़िया में बनी स्टैच्यू ऑफ यूनिटी 182 मीटर ऊंची है। यह दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा है। 3डी मॉडलिंग और ब्रॉन्ज क्लैडिंग तकनीक से बनी यह प्रतिमा हर साल लगभग 58 लाख पर्यटकों को आकर्षित करती है। इस परियोजना से हजारों नौकरियाँ बनीं और केवड़िया एक बड़ा पर्यटन केंद्र बन गया। चिनाब पुल 359 मीटर ऊंचा है, जो कश्मीर को भारत के बाकी हिस्सों से जोड़ता है। आइजोल रेल लाइन कठिन पहाड़ी इलाके से होकर गुजरती है और इसमें हिमालयन टनलिंग मेथड का प्रयोग किया गया है, जिसमें कई सुरंगें और पुल शामिल हैं। नया पंबन पुल सौ साल पुराने ढांचे की जगह आधुनिक इंजीनियरिंग से बनाया गया है। ये सिर्फ इंजीनियरिंग की अद्भुत कृतियां नहीं हैं, बल्कि यह मोदी जी की उस सोच को दर्शाते हैं जिसमें तकनीक और दृढ़ संकल्प के सहारे भारत को जोड़ा जा रहा है।

## मानव जुड़ाव

प्रधानमंत्री मोदी तकनीक को समझते हैं, लेकिन इंसानों को उससे भी बेहतर समझते हैं। उनकी अंत्योदय की सोच ही हर डिजिटल पहल को आगे बढ़ाती है। यूपीआई कई भाषाओं में काम करता है। सबसे गरीब किसान और सबसे अमीर उद्योगपति, दोनों की एक जैसी डिजिटल पहचान है। सिंगापुर से लेकर फ्रांस तक कई देश यूपीआई से जुड़े हैं। जी-20 ने डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर को समावेशी विकास के लिए ज़रूरी माना है। जापान ने इसके लिए पेटेंट भी दिया है। जो शुरुआत में भारत का समाधान था, वही अब पूरी दुनिया के लिए डिजिटल लोकतंत्र का मॉडल बन गया। गुजरात में शुरुआती प्रयोगों से लेकर डिजिटल इंडिया के शुभारंभ तक की यात्रा यह दिखाती है कि तकनीक में जिंदगी बदलने की शक्ति है। मोदी जी ने तकनीक को शासन की भाषा बना दिया है। उन्होंने साबित किया है कि जब नेता तकनीक को इंसानियत के साथ अपनाते हैं, तो पूरा देश भविष्य की ओर बड़ी छलांग लगा सकता है।

**(लेखक भारत सरकार के रेल, आईटी और सूचना एवं प्रसारण मंत्री हैं)**

# धमतरी जिले को जल्द मिलेगी हाईटेक नर्सरी

## इनक्यूबेशन केंद्र की स्थापना से जिले में उद्यानिकी विकास की नई संभावनाओं का द्वार खुलेगा

शशि रत्न पाराशर, उप संचालक

इनक्यूबेशन केंद्र की स्थापना से जिले में उद्यानिकी विकास की नई संभावनाओं का द्वार खुलेगाजिले के किसानों और उद्यानिकी क्षेत्र के लिए यह गर्व का विषय है कि कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र कुरूद चर्रा परिसर में भूमि पर हाईटेक नर्सरी एवं किसान प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किया जा रहा है । स्वीकृति हेतु प्रस्ताव भेजा गया है । इसके लिए सहायक संचालक लाइवली हुड श्री शैलेन्द्र गुप्ता,ज़िले के विभिन्न महाविद्यालयों से कैरियर काउंसिलिंग प्रभारीगणों के साथ ह्ढ्ढञ्ज रायपुर तथा इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर के इनक्युबेशन सेंटर में विजिट कर वहाँ की कार्यप्रणाली, स्टार्टअप, इनोवेशन आईडिया को सही दिशा प्रदान करने के संबंध में पूर्ण जानकारी ली ।

यह परियोजना न केवल जिले की उद्यानिकी गतिविधियों को गति प्रदान करेगी बल्कि क्षेत्र के किसानों को आधुनिक तकनीक अपनाने किसानों को नई कृषि पद्धतियों, ज्ञान और तकनीकी प्रगति का प्रसार, स्वरोजगार के नए अवसर सृजित करने और खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों को आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने में भी महत्वपूर्ण साबित होगी। कृषि महाविद्यालय चर्रा के अधिष्ठाता डॉ . नवनीत राणा ने बताया कि आगामी 23 सितंबर को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय करेली बड़ी में प्रस्तावित कार्यक्रम में कृषि महाविधालय भवन और हॉस्टल का लोकार्पण करेंगे ।

कुरूद चर्रा में हाईटेक नर्सरी के माध्यम से उन्नत किस्म के फल, फूल एवं सब्जियों के पौधे तैयार किए जाएंगे, जिससे किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले पौधे स्थानीय स्तर पर ही सुलभ होंगे। इससे कृषि उत्पादन क्षमता में वृद्धि होगी और किसानों की आमदनी दोगुनी करने की दिशा में ठोस कदम उठाया जाएगा।



साथ ही, प्रशिक्षण केंद्र में किसानों को आधुनिक खेती, ड्रिप एवं स्प्रिंकलर सिंचाई तकनीक, ग्रीन हाउस निर्माण, ऑर्गेनिक खेती और पौध संरक्षण संबंधी वैज्ञानिक जानकारी प्रदान की जाएगी। यह कॉलेज छत्तीसगढ़ के इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय से संबद्ध है।

इनक्यूबेशन केंद्र की स्थापना से जिले में उद्यानिकी विकास की नई संभावनाओं का द्वार खुलेगाइस परियोजना के शुभारंभ से जिले की उद्यानिकी को नई पहचान मिलेगी और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अनेक अवसर उत्पन्न होंगे। प्रशिक्षण प्राप्त किसान न केवल अपने खेतों में उन्नत पद्धतियों का उपयोग कर सकेंगे, बल्कि स्वरोजगार के रूप में पौध उत्पादन, नर्सरी संचालन और खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना भी कर सकेंगे। इस प्रकार यह केंद्र आत्मनिर्भरता और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने का माध्यम बनेगा।

फलों और सब्जियों में होने वाले नुकसान को ध्यान में रखते हुए, कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, कुरूद धमतरी, छत्तीसगढ द्वारा खाद्य प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन इनक्यूबेशन केंद्र की स्थापना का प्रस्ताव रखा गया है। इस परियोजना पर 76.80 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे तथा इसे वर्ष 2025 से 2028 तक क्रियान्वित किया जाएगा। इसका उद्देश्य कटाई उपरांत प्रबंधन को बढ़ावा देना नुकसान को कम करना और किसानों की आय में वृद्धि करना है। इसके लिए प्रसंस्करण, पैकेजिंग, कोल्ड स्टोरेज और गुणवत्ता परीक्षण जैसी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। आधुनिक फूड प्रोसेसिंग तकनीक का प्रसार करना तथा छत्तीसगढ़ के कृषि-खाद्य क्षेत्र में उद्यमिता के अवसर उपलब्ध कराना है।

यह केन्द्र विद्यार्थियों, किसानों और उद्यमियों को खाद्य प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन एवं व्यवसाय विकास में प्रशिक्षण देने का एक प्रमुख केन्द्र भी होगा। यहां से फलों के जूस, जैम, अचार, डिहाइड्रेटेड पाउडर, मिलेट आधारित स्नैक्स और एनर्जी बार जैसे विविध उत्पादों के निर्माण को बढ़ावा मिलेगा। यह पहल कृषि उपज को उच्च मूल्य वाले खाद्य उत्पादों में बदलने की दिशा में एक मील का पत्थर सिद्ध होगी, जो युवाओं एवं किसानों को सशक्त बनाते हुए राज्य की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करेगी।

खाद्य प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन कृषि से संबंधित ऐसा व्यवसाय है, जो उपज की मूल्य वृद्धि के साथ-साथ रोजगार सृजन करता है। इस दिशा में कृषि महाविद्यालय कुरूद में इनक्यूबेशन सेंटर की स्थापना क्षेत्रीय युवाओं एवं छात्र-छात्राओं हेतु एक रोजगारोन्मुखी कार्यक्रम होगा। यह पहल युवाओं में एग्री-स्टार्टअप्स के सृजन के साथ युवाओं से रोजगार परख व्यवसाय के विकास में सहायक होगा। तत्संबंध में कृषि महाविद्यालय कुरूद में खाद्य प्रसंस्करण इकाई की स्थापना जो जिले एवं क्षेत्रीय युवाओं एवं छात्र-छात्राओं में बिजनेस स्टार्टअप के विकास में मददगार होगी। प्रमुख विषयों में प्रसंस्करण लाइन की उपलब्धता, प्रशिक्षण, स्टार्टअप्स के लिए आधारभूत संरचना और इन केंद्रों का वाणिज्यिक संचालन शामिल है। इसका उद्देश्य मूल्य संवर्धन को बढ़ावा देना, अपव्यय को कम करना और ग्रामीण आय में वृद्धि करना है।

खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों को भी इस केंद्र से लाभ प्राप्त होगा। उच्च गुणवत्ता वाली कच्ची सामग्री आसानी से उपलब्ध होने से फूड प्रोसेसिंग उद्योग का दायरा विस्तृत होगा। इससे उत्पादों का मूल्य संवर्धन होगा और किसानों को बेहतर दाम प्राप्त होंगे। जिले के बेरोजगार युवाओं के लिए भी यह केंद्र एक अवसर का केंद्र बिंदु होगा, जहां प्रशिक्षण प्राप्त कर वे कृषि उद्यमिता की दिशा में कदम बढ़ा सकेंगे। प्रशासन का मानना है कि हाईटेक नर्सरी, किसान प्रशिक्षण केंद्र और खाद्य प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन इनक्यूबेशन केंद्र की स्थापना से जिले में उद्यानिकी विकास की नई संभावनाओं का द्वार खुलेगा। यह परियोजना किसानों को तकनीकी रूप से सशक्त बनाएगी और राज्य सरकार की किसान कल्याण की प्राथमिकताओं को साकार करने में मददगार होगी। जिले के कृषक संगठनों, स्थानीय प्रतिनिधियों एवं विशेषज्ञों ने भी इस परियोजना का स्वागत किया है। उनका मानना है कि इससे जिले को उद्यानिकी उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने और छत्तीसगढ़ को फूड प्रोसेसिंग हब के रूप में विकसित करने में मदद मिलेगी। अल्प समय में शुभारंभ होने जा रही यह परियोजना जिले के लिए एक ऐतिहासिक कदम साबित होगी, जो न केवल कृषि उत्पादन में वृद्धि करेगी बल्कि किसानों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण मील का पत्थर होगी।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाऐं
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544
www.onlytds.com

# श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110



## खास खबर

### बीएसपी कर्मियों को लाभांश और ब्याज की राशि का वितरण 22 से

**भिलाई।** भिलाई इस्पात संयंत्र के कर्मियों की सबसे पुरानी और प्रतिष्ठित सहकारी संस्था इस्पात कर्मचारी को-ऑपरेटिव क्रेडिट सोसाइटी सेक्टर-6 भिलाई नगर में लाभांश और ब्याज की राशि का वितरण 22 सितंबर सोमवार से किया जाएगा। सोसाइटी के अध्यक्ष बृज बिहारी मिश्र ने बताया कि सदस्यों के खाते में अंतरित जमा वर्ष 2023-2024 का लाभांश एवं वर्ष 2024-2025 के ब्याज की राशि का वितरण 22 सितंबर से माह फरवरी 2026 तक मुख्य शाखा सहित समस्त शाखाओं में कार्यालयीन समय पर किया जायेगा। ब्याज लेने के इच्छुक सदस्य संबंधित शाखाओं से कार्यालयीन समय में अपनी राशि प्राप्त कर सकते है।

### भिलाई महिला समाज में दोना-पत्तल निर्माण यूनिट का हुआ शुभारंभ

**भिलाई।** भिलाई की अग्रणी सामाजिक संस्था भिलाई महिला समाज ने विष्वकर्मा पूजा के अवसर पर महिला स्वावलंबन को प्रोत्साहित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाते हुए दोना-पत्तल निर्माण की नई यूनिट का शुभारंभ बीएमएस सेक्टर-1 में किया। मशीन का उद्घाटन भिलाई महिला समाज की कार्यकारी अध्यक्ष श्रीमती स्मिता गिरी द्वारा किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह पहल न केवल महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाएगी, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी सार्थक साबित होगी। प्लास्टिक डिस्पोजल के स्थान पर इको-फ्रेंडली दोना-पत्तल का उपयोग समाज में जागरूकता लाएगा। इस अवसर पर भिलाई महिला समाज की सभी उपाध्यक्ष प्रणोति मुखोपाध्याय, मौली चक्रवर्ती, छवि निगम, पूनम कुमार, रेणुका रविंद्रनाथ, महासचिव सोनाली रथ, सह सचिव चैती पाल, कोषाध्यक्ष शिखा जैन, सह कोषाध्यक्ष रीता तिवारी, वर्किंग कमेटी सदस्य रूखसाना शेख, सपना सोनी, सुषमा सलवटकर, लक्ष्मी पटेल, बबीता सिंह, रागिनी शर्मा, सुधा शर्मा सहित भिलाई महिला समाज की कार्यकारी टीम तथा बड़ी संख्या में महिला समाज के सदस्यों की भी उपस्थिति रही।

### अखिल भारतीय हास्य व्यंग्य कवि सम्मेलन आयोजित

**भिलाई।** सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र के राजभाषा विभाग तथा क्रीड़ा, सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएं विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 17 सितम्बर, 2025 को श्री श्री विश्वकर्मा पूजा एवं राजभाषा पखवाड़ा के उपलक्ष्य में भिलाई निवास के बहुद्देशीय सभागार में अखिल भारतीय हास्य व्यंग्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कार्यपालक निदेशक पवन कुमार व विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यपालक निदेशक विपिन कुमार गिरी एवं मुख्य महाप्रबंधक संदीप माथुर की उपस्थिति रही। मंजीत सिंह, शशिकला दुबे , डॉ. सरिता शर्मा एवं अनिल अग्रवंशी ने अपनी हास्य-व्यंग्य रचनाओं से दर्शकों को खूब गुदगुदाया।

# खम्हरिया की रागिनी यादव का राज्य स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता के लिए चयन, मंत्री गजेंद्र यादव ने दी बधाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग/भिलाई। क्रीड़ा भारती क्रीड़ा केंद्र खेलगांव खम्हरिया की प्रतिभाशाली खिलाड़ी रागिनी यादव ने अपनी मेहनत और लगन के बल पर राज्य स्तरीय शालेय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में स्थान बनाया है। उनका चयन 21 से 24 सितम्बर तक जगदलपुर में आयोजित 25वीं राज्य स्तरीय शालेय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में 17 वर्ष आयु वर्ग की 3000 मीटर पैदल चाल स्पर्धा के लिए किया गया है।

धनोरा निवासी रागिनी यादव ने बालोद में आयोजित संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर यह उपलब्धि हासिल की। उनकी सफलता से क्षेत्र में उत्साह का माहौल है।

### मंत्री गजेंद्र यादव ने दी बधाई

छत्तीसगढ़ शासन के स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग एवं विधि-विधायी कार्य विभाग के मंत्री गजेंद्र यादव ने रागिनी यादव को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वह प्रदेश की उभरती हुई एथलीट हैं। मंत्री यादव ने उन्हें तत्काल ?2000 नगद राशि प्रदान कर प्रोत्साहित किया और खिलाड़ियों को हरसंभव सहयोग का आश्वासन भी दिया। इस अवसर पर रागिनी के माता-पिता नीलकंठ यादव एवं श्रीमती अनिता यादव भावुक होकर मंत्री जी का आभार व्यक्त किया। रागिनी की प्रतिभा और समर्पण को देखते हुए ग्राम पंचायत धनोरा की सरपंच श्रीमती रुलेश्वरी बंजारे ने उन्हें प्रतियोगिता के लिए 2 जोड़ी जूते (कंपटीशन शूज एवं जॉगर शूज) प्रदान किए। वहीं शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला धनोरा की प्रधान पाठक श्रीमती पुष्पा सिंह ने अपनी ओर से एक ट्रैकसूट भेंट किया।

ज्ञातव्य है कि रागिनी यादव पिछले पांच महीनों से खेलगांव खम्हरिया स्थित क्रीड़ा भारती क्रीड़ा केंद्र में मुख्य प्रशिक्षक एवं पीटीआई सेजस फरीदनगर बालकदास डहरे तथा अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी बी.आर. साहू के कुशल मार्गदर्शन में सुबह-शाम नियमित अभ्यास कर रही हैं। वर्तमान में वह शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला धनोरा की कक्षा सातवीं की छात्रा हैं।

### क्षेत्रभर से मिली शुभकामनाएं

रागिनी की उपलब्धि पर दुर्ग लोकसभा सांसद विजय बघेल, कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त दुर्ग ग्रामीण विधायक एवं उपाध्यक्ष छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग विकास प्राधिकरण ललित चंद्राकर, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सरस्वती बंजारे, जिला शिक्षा अधिकारी अरविंद मिश्रा, विकासखंड शिक्षा अधिकारी श्रीमती राजेश्वरी चंद्राकर, भाजपा उतई मंडल अध्यक्ष श्रीमती शीतला ठाकुर, ग्राम पंचायत पुरई के उपसरपंच एवं सरपंच डोमार सिंह साहू, सांसद प्रतिनिधि छबी लाल साहू, ग्राम पंचायत खम्हरिया की सरपंच श्रीमती दुलारी देशलहरे सहित अनेक जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और नागरिकों ने उन्हें बधाई दी। इसके अलावा उनके विद्यालय के शिक्षकों ङ्क आराधना ठोकने, विद्या रात्रे, आरती वर्मा, अजय साहू, माधवी, प्रेमलता गुप्ता, सुमन प्रधान, हिमांशु साहू सहित पूरे स्टाफने गर्व व्यक्त करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। सतनामी आश्रम दुर्ग के अध्यक्ष चंद्रशेखर बंजारे ने भी रागिनी को शुभकामनाएं दीं।

### क्षेत्र की नई प्रेरणा

रागिनी यादव की इस उपलब्धि ने न केवल उनके परिवार और ग्राम धनोरा का नाम रोशन किया है, बल्कि पूरे दुर्ग जिले में खुशी का वातावरण है। खेल विशेषज्ञों का मानना है कि निरंतर अभ्यास और उचित मार्गदर्शन से रागिनी आने वाले समय में राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी प्रतिभा का परचम लहरा सकती हैं।

# बच्चे, जवान और वरिष्ठ नागरिकों ने मैराथन में लिया हिस्सा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। स्वच्छता को लेकर मैराथन का आयोजन किया गया। सुबह 9 बजे शुरू हुए दौड़ में सरकारी स्कूल के बच्चें, योग लंगर परिवार के सद्स्य और बड़ी संख्या में नागरिकों व जनप्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने हरी झंडी दिखाई।

स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा के तहत आयुक्त मोनिका वर्मा के मार्गदर्शन में मैराथन दौड़ का आयोजन किया।

रिसाली निगम के द्वारा कराए गए मैराथन में निगम क्षेत्र के 500 से ज्यादा लोगों ने दौड़ लगाई। दौड़ में रिसाली को स्वच्छ बनाने के नारे भी लगाए। दौड़ के पहले निगम आयुक्त ने समाज सेवी, समाजिक संगठन और स्वयं सेवी संस्थाओं से परिचय लिया। मैराथन को हरी झंडी दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर, सभापति केशव बंछोर, नेताप्रतिपक्ष शैलेन्द्र साहू, सांसद प्रतिनिधि दीपक पप्पू चंद्राकर, पार्षद सीमा साहू, शीला नारखेड़े, सविता ढवस, सरिता देवांगन, मनीष यादव, धर्मेन्द्र भगत, ममता सिन्हा, अनुप डे मण्डल अध्यक्ष अनुपम साहू, राजू जंघेल, अजीत चैधरी आदि उपस्थित थे। स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा के तहत शुक्रवार को श्रमदान किया गया है। जनप्रतिनिधि, समाज सेवक, नागरिक और निगम कर्मचारी मिलकर कल्याणी शीतला मंदिर के पास सफाई किया। श्रमदान सुबह 7 बजे शुरू हुआ। इस दौरान आयुक्त मोनिका वर्मा ने नागरिकों को शहर को साफ सुथरा और घरों से निकलने वाले कचरा को अन्यत्र न फेकने की अपील की।

### परमेश्वरी मंदिर प्रगति नगर में क्वांर नवरात्रि एवं भागवत कथा का आयोजन 22 सितंबर से

श्रीकंचनपथ न्यूज

**भिलाई।** देवांगन जन कल्याण समिति भिलाई नगर के द्वारा 22 सितंबर से 1 अक्टूबर तक प्रगति नगर रिसाली स्थित परमेश्वरी मंदिर में क्वांर (शारदीय) नवरात्रि पर्व का भव्य आयोजन किया जा रहा है। नवरात्रि में प्रतिदिन मंदिर परिसर में आचार्य डॉ नीलेश शर्मा जी के द्वारा अपराह्न 3 से 6 बजे तक श्रीमद् भागवत पुराण कथा भी सुनाई जाएगी।

उक्त जानकारी देते हुए समिति के अध्यक्ष घनश्याम कुमार देवांगन ने बताया कि हमेशा की तरह मंदिर में श्रद्धालुओं के द्वारा मनोकामना ज्योति कलश प्रज्ज्वलित किए जाएंगे। इसी परिप्रेक्ष्य में देवांगन समाज के लोगों ने 19 सितंबर को परमेश्वरी भवन से नवरात्रि आमंत्रण रैली निकालकर घर घर जाकर नवरात्रि एवं भागवत कथा का निमंत्रण दिया। रैली में शामिल देवांगन समाज के लोगों ने बाजे गाजे एवं झंडे झंडियों के साथ प्रगति नगर, आशीष नगर, मैत्री कुंज कालोनी में घर-घर जाकर आमंत्रण पत्र बांटे। इस रैली का उद्देश्य प्रगति नगर के समीपस्थ कालोनियों के सभी वर्ग के निवासियों को नवरात्रि पर्व में शामिल करना और माता परमेश्वरी का आशीर्वाद प्राप्त करने का सुअवसर प्रदान करना था।

रैली में बड़ों के साथ अभिषेक मार्शल आर्ट के स्टूडेंट्स भी उत्साह पूर्वक शामिल हुए। नवरात्रि में प्रतिदिन संध्या 6.30 बजे आरती के पश्चात माता सेवा एवं जस गीत का आयोजन और प्रसाद वितरण होगा।

# बीएसपी में कस्टमर मीट समारोहः पारदर्शिता, डिजिटलीकरण एवं नैतिक व्यावसायिक प्रथाओं पर जोर

श्रीकंचनपथ न्यूज

**भिलाई।** सतर्कता जागरूकता सप्ताह के उपलक्ष्य में, सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के विपणन एवं व्यवसाय नियोजन विभाग (एम एंड बीपी) द्वारा 19 सितंबर, 2025 को इस्पात भवन स्थित एम एंड बीपी सभागार में एक कस्टमर मीट समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डिफेक्टिव स्टील स्क्रैप, स्लैग, कोल केमिकल्स, पिग आयरन और कमर्शियल रेल के ग्राहकों एवं खरीदारों के साथ-साथ संयंत्र के सतर्कता, वित्त, सुरक्षा, सी एंड आईटी, एमआरडी एवं अन्य संरक्षक विभागों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

समारोह का औपचारिक उद्घाटन कार्यपालक निदेशक (सामग्री प्रबंधन) श्री ए. के. चक्रवर्ती द्वारा किया गया। उन्होंने अपने संबोधन में सभी व्यावसायिक लेन-देन में पारदर्शिता, सत्यनिष्ठा और वैधानिक आवश्यकताओं के पालन पर बल देते हुए ग्राहकों के साथ संबंध प्रबंधन को और सुदृढ़ करने पर जोर दिया।

मुख्य महाप्रबंधक (सतर्कता) एवं एसीवीओ सुनील सिंघल ने सतर्कता विभाग की कार्यप्रणाली, रिष्वत-विरोधी प्रबंधन प्रणाली (एबीएमएस) तथा 18 अगस्त से 17 नवंबर 2025 तक चल रहे तीन माह के अभियान के अंतर्गत की जा रही पहलों की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम के प्रारंभ में, मुख्य महाप्रबंधक (एम एंड बीपी) पी. सुब्बा राव ने प्रतिभागियों का स्वागत किया। इसके बाद सतर्कता विभाग द्वारा शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया।

इस अवसर पर विपणन विभाग ने सेकेंडरी सेल्स को अधिकतम करने हेतु की जा रही गतिविधियों का अवलोकन प्रस्तुत किया और दैनिक कार्यों में आने वाली चुनौतियों पर चर्चा की। ग्राहकों से संयंत्र के साथ सभी व्यावसायिक लेन-देन में पारदर्शिता और नैतिक मूल्यों को बनाए रखने का आह्वान किया गया। मेटल जंक्शन द्वारा अपनी भूमिकाओं एवं जिम्मेदारियों पर विस्तृत प्रस्तुति दी गई। साथ ही, हितधारकों की जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से एबीएमएस पर भी एक प्रस्तुति प्रस्तुत की गई।

सत्र के दौरान प्रतिभागियों को बीएसपी की प्रणालियों में हुए नवीनतम सुधारों की जानकारी दी गई, जिनमें डिलीवरी ऑर्डर का डिजिटलीकरण, ग्राहकों को डीओ स्थिति पर नज़र रखने हेतु मोबाइल ऐप तथा सी एंड आईटी विभाग द्वारा वीएएनएस के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान प्रणाली शामिल थी। इसके उपरांत एक खुला संवाद सत्र हुआ, जिसमें ग्राहकों की जिज्ञासाओं व सुझावों पर विचार किया गया। कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन महाप्रबंधक (विपणन) जे. रथ द्वारा किया गया।

इसका समन्वय महाप्रबंधक (विपणन) चैताली दास और उनकी टीम ने किया तथा संचालन सहायक प्रबंधक (विपणन) मयंक कुमार कर्महे ने किया।

# 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के तहत जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

**दुर्ग।** स्वच्छ भारत मिशन के तहत चल रहे स्वच्छता पखवाड़ा (17 सितम्बर से 2 अक्टूबर 2025) के अंतर्गत ग्राम पंचायत आलबरस, जनपद पंचायत दुर्ग में 19 सितम्बर को जिला स्तरीय कार्यक्रम स्वच्छता ही सेवा का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती सरस्वती बंजारे, अध्यक्ष जिला पंचायत दुर्ग, बजरंग कुमार दुबे, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दुर्ग, श्रीमती श्रद्धा साहू, जिला पंचायत सभापति, प्रितपाल बेलचंदन, पूर्व अध्यक्ष जिला सहकारी केंद्रीय बैंक, गिरीश साहू, पूर्व मंडल अध्यक्ष सहित कई जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण से की गई। ग्रामीणों ने अपनी माताओं के सम्मान में पौधे रोपे, जिससे न केवल पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिला बल्कि लोगों में भावनात्मक जुड़ाव भी देखने को मिला। कार्यक्रम में स्वच्छग्रहियों को प्रशस्ति पत्र और चेक प्रदान किए गए, वहीं व्यक्तिगत शौचालय निर्माण हेतु पात्र हितग्राहियों को स्वीकृति आदेश सौंपे गए। इसके अतिरिक्त स्वच्छता अभियान को सफल बनाने में सहयोग करने वाले जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों और सफाई कर्मियों का सम्मान भी किया गया। कार्यक्रम के दौरान स्वच्छता रैली, सार्वजनिक स्थलों की सफाई और जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया। पंचायत प्रतिनिधियों, स्व-सहायता समूह की महिलाएं, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, छात्र-छात्राएं एवं ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सरस्वती बंजारे और सीईओ जिला पंचायत बजरंग कुमार दुबे ने अधिकारी-कर्मचारियों, जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। सभी ने संकल्प लिया कि न गंदगी करूंगा, न दूसरों को करने दूंगा और जीवनशैली में स्वच्छता को शामिल करने का आह्वान किया। सीईओ बजरंग कुमार दुबे ने कहा कि स्वच्छता केवल अभियान नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक शैली है। हमें अपने घर, कार्यालय और सार्वजनिक स्थलों को साफरखने का संकल्प लेना होगा। उन्होंने ग्राम पंचायत में चल रही योजनाओं जैसे सेग्रीगेशन शेड, सोख्ता गड्ढा, नाडेप, प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट और फिकल स्लज मैनेजमेंट इकाई की जानकारी भी दी। ग्राम में घर-घर कचरा एकत्रित करने हेतु कार्यरत नया सवेरा महिला समूह के स्वच्छाग्राहियों को अभिनंदन पत्र, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता किट और 12 माह की मानदेय राशि ?24,000 प्रदान की गई। इसके साथ ही उन्हें 15वें वित्त आयोग के मद से न्यूनतम ?3,000 प्रतिमाह मानदेय दिये जाने की भी जानकारी दी गई। जिला पंचायत सभापति श्रीमती श्रद्धा साहू ने बर्तन बैंक की स्थापना की घोषणा करते हुए प्लास्टिक के उपयोग को कम करने की अपील की। सभी अतिथियों ने ग्राम पंचायत भवन परिसर में सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया। ग्राम पंचायत में नमोवन की स्थापना की जा रही है, जिसमें फूलों के पौधे लगाए जा रहे हैं।

इस अवसर पर अतिथियों द्वारा सामूहिक रूप से पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया गया। उल्लेखनीय है कि 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक जिलेभर में स्वच्छता पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इस अवधि में विभिन्न जन-जागरूकता और स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size
CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

## खास खबर...

### रायपुर में आरएसएस प्रचारक शांताराम सर्राफ व विधायक रजनी ताई उपासने को दी श्रद्धांजलि

**रायपुर।** एक आयोजन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ आरएसएस के वरिष्ठ प्रान्त प्रचारक स्व.शांताराम सर्राफ और रायपुर की प्रथम महिला विधायक स्व. रजनी ताई उपासने को उनके छायाचित्र पर पुष्पांजलि कर रायपुर नगर पालिक निगम के एमआईसी सदस्य महेन्द्र खोडियार, अमर गिदवानी, अवतार भारती बागल, खेम कुमार सेन सहित रायपुर शहर जिला भाजपा के पूर्व अध्यक्ष और एमआईसी सदस्य प्रतिनिधि अशोक पाण्डेय, सामाजिक कार्यकर्त्ता नवीन शर्मासहित नगर के गणमान्यजनों, सामाजिक कार्यकर्त्ताओं, आमजनों ने सादर नमन करते हुए आरएसएस के वरिष्ठ प्रान्त प्रचारक स्वर्गीय शांताराम सर्राफ और रायपुर की प्रथम महिला विधायक स्वर्गीया रजनी ताई उपासने द्वारा जीवन काल में राष्ट्र और समाज को दिए गए अमूल्य योगदान का पुण्य स्मरण किया।

### आरिश ने विदर्भ ओपन पिक्लबॉल में जीता दोहरा खिताब

**रायपुर।** ऑल इंडिया पिक्लबॉल एसोसिएशन के तत्वाधान में नागपुर पिक लबॉल एसोसिएशन द्वारा विदर्भ ओपन पिक्लबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया था जिसमें छत्तीसगढ़ के आरिश आगा चौबे को दोहरी सफलता प्राप्त हुई। उन्होंने बॉयज अंडर 14 सिंगल्स के फाइनल में महाराष्ट्र के अर्णव खमकर को 21-15 से हराकर सिंगल्स का खिताब जीता। वही मिक्स डबल्स फाइनल में आरिश एवं आराध्या की जोड़ी ने जीवांश और आर्या को 21-16 से हराकर खिताब जीता।

### एक शाम सिंगर जस और भानु मिश्रा के नाम कल

**रायपुर।** पंजाबी म्यूजिक इंडस्ट्री के पार्श्व गायक जस अपनी सुरीली आवाज का जादू बिखेरने छत्तीसगढ़ कि राजधानी रायपुर में 20 सितंबर को पहुंच रहे है। कार्यक्रम में ओपनिंग स्थानीय आर्टिस्ट के रूप में कारवां बैंड के भानु मिश्रा करेंगे। इसका आयोजन लीफ एंटरटेनमेंट एवं आर्ट क्यूरेटर के द्वारा किया जा रहा है। गीत संगीत से सजाने एक शाम सिंगर जस और भानु मिश्रा के नाम 20 सितंबर शनिवार को नवा रायपुर के Elsewere में लाइव परफॉरमेंस देने वाले है। जस के स्वर में सुप्रसिद्ध गानो में मुख्य रूप से सुनिया सुनिया, तू जो मिलेया, तेरा मेरा सफर के अतिरिक्त और भी अनेकों गीतों को स्वरबद्ध किये है। लाइव कंसर्ट में ओपनिंग एक्ट रायपुर के सुप्रसिद्ध भानु मिश्रा द्वारा करवाँ सफर ए सूफी बैंड द्वारा किया जाएगा । इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए लीफ एंटरटेनमेंट एवं The art curator द्वारा व्यापक प्रचार किया जा रहा है । इसमे शामिल होने के लिए पास प्राप्त करने 9981364996 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

# महादेवघाट में स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा की शुरुआत राजेश मूणत और महापौर मीनल चौबे रहे शामिल

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** वार्ड क्रमांक 69 के अंतर्गत महादेवघाट रायपुरा में रखे गए आयोजन में प्रदेश के पूर्व केबिनेट मन्त्री रायपुर पश्चिम विधायक राजेश मूणत और रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर मीनल चौबे नगर निगम की एमआईसी सदस्य सुमन अशोक पाण्डेय, माधव राव सप्रे वार्ड पार्षद महेन्द्र औसर, पण्डित दीनदयाल उपाध्याय वार्ड पार्षद आशु चंद्रवंशी, सामाजिक कार्यकर्त्ता नवीन शर्मा सहित नगर निगम जोन 8 कार्यपालन अभियंता अतुल चोपड़ा, सहायक अभियंता अनुराग पाटकर, उप अभियंता लोचन प्रसाद चौहान, जोन स्वास्थ्य अधिकारी गोपीचंद देवांगन, स्वच्छता निरीक्षक रितेश झा सहित रायपुरा स्कूल के विद्यार्थियों, गणमान्यजनों, सामाजिक कार्यकर्त्ताओं, महिलाओं, आमजनों, नवयुवकों सहित सम्मिलित हुए और नागरिकों के मध्य स्वच्छता को लेकर जनजागरण किया।

रायपुर पश्चिम विधायक राजेश मूणत और महापौर मीनल चौबे ने महादेवघाट में श्रीहनुमानजी के मन्दिर के समीप भारत गणराज्य के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

के आव्हान पर एक पेड़ माँ के नाम रोपित किया. रायपुर पश्चिम विधायक और महापौर ने एमआईसी सदस्य और वार्ड पार्षदों सहित स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा अभियान के शुभारम्भ दिवस पर महादेवघाट में सुलभ शौचालय के समीप झाड़ू लगाकर कचरा उठाकर स्वच्छता कायम कर नागरिकों सहित स्वच्छ शौचालय का जन-जन को सकारात्मक स्वच्छता सन्देश दिया।

### स्वच्छता ही सेवा अभियानः श्रमदान और जनजागरण से तालाब से लेकर मोहल्लों तक की सफाई

छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के निर्देशानुसार नगर निगम रायपुर स्वास्थ्य विभाग द्वारा महापौर मीनल चौबे, स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष गायत्री सुनील चंद्राकर, आयुक्त विश्वदीप के निर्देश पर रायपुर नगर निगम क्षेत्र में 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक चलाये जा रहे स्वच्छता ही सेवा अभियान पखवाडा में नगर निगम रायपुर के जोन 1 के तहत वीर शिवाजी वार्ड कमांक 16 में शीतला तालाब की सफाई श्रमदान से की गई। सफाई श्रमदान कार्यक्रम में नागरिको सहित छत्तीसगढ़ राज्य लौह शिल्पकार विकास बोर्ड के अध्यक्ष प्रफुल्ल विश्वकर्मा, नगर निगम जोन 1 जोन अध्यक्ष गज्जू साहू सहित सम्मिलित हुए और स्वच्छता की सामूहिक शपथ लेकर नागरिको को स्वच्छता के लिए जागरूक बनाया और सकारात्मक स्वच्छता संदेश दिया।

इसी कम में नगर निगम जोन 3 के वार्ड क्रमांक 12 के तहत जनता कालोनी सेक्टर 2 और वार्ड क्रमांक 30 न्यू शांति नगर कालोनी में नगर निगम रायपुर द्वारा अनुबंधित रामकी कंपनी के कर्मचारियों ने नगर निगम जोन 3 स्वास्थ्य विभाग कर्मचारियों के साथ मिलकर घर-घर जाकर स्वच्छता के प्रति जनजागरण अभियान चलाया और नागरिको को सूखा और गीला कचरा पृथक पृथक डस्टबीन में रखकर प्रतिदिन नियमित नगर निगम सफाई मित्र को सफाई वाहन में देकर स्वच्छता कायम रखने में सक्रिय सहभागिता दर्ज कराने की अपील की। नगर निगम जोन 9 स्वास्थ्य विभाग द्वारा जोन 9 के तहत कुशाभाउ ठाकरे वार्ड कमांक 7 में नागरिको के मध्य स्वच्छता के प्रति जनजागरण अभियान नगर निगम एमआईसी सदस्य खेमकुमार सेन के नेतृत्व एवं जोन 9 जोन कमिश्नर संतोष पाण्डेय की उपस्थिति में चलाया गया और नागरिकों को स्वच्छता की सामूहिक शपथ दिलाकर घर का सूखा व गीला कचरा पृथक करके पृथक डस्टबीन में रखकर सफाई वाहन में देने की अपील की गई।

# महिलाएँ आर्थिक रूप से स्वतंत्र नहीं होंगी, तब तक समाज का पूर्ण विकास नहीं है संभव - डॉ. इला

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** चेंबर भवन में छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज महिला चेम्बर द्वारा पैसा बोलता है (फाइनेंशियल ग्रोथ और प्लान) विषय पर अपनी दूसरी जनरल बॉडी मीटिंग का सफलतापूर्वक आयोजन किया । इस बैठक का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को वित्तीय विकास और नियोजन के महत्वपूर्ण पहलुओं से अवगत कराना था। कार्यक्रम में फाइनेंशियल प्लानर श्रीमती हेमल बेन शाह ने मुख्य वक्ता के रूप में शिरकत करते हुए महिलाओं को अपने व्यापार को आर्थिक रूप से स्थिर बनाने और भविष्य के लिए सुरक्षित रखने के लिए कई महत्वपूर्ण नियम और तकनीकी सिखाईं। वक्ताओं ने इस बात पर जोर दिया कि महिलाएं कैसे सही निवेश और बचत योजनाओं के माध्यम से आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकती हैं।

कार्यक्रम के दौरान, एक विशेष पहल के तहत पाँच प्रतिभाशाली महिलाओं का चयन बिजनेस ग्रोथ क्लासेस के लिए किया गया, जहाँ उन्हें व्यापार बढ़ाने की बारीकियां सिखाई जाएंगी। यह कदम महिला उद्यमियों को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है। इस अवसर पर कई रोचक गतिविधियां भी आयोजित की गईं, जिनका उद्देश्य महिलाओं को

वित्तीय रूप से केंद्रित होने के लिए प्रोत्साहित करना था। इसके अतिरिक्त महिला चेम्बर के आगामी प्रोजेक्ट हमारे सपनों के आंगन पर भी विस्तार से चर्चा की गई, जो भविष्य में महिलाओं के लिए कई नई पहल लेकर आएगा।

महिला चेंबर अध्यक्ष डॉ. इला गुप्ता ने बताया कि आज के समय में, महिलाओं का आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होना बहुत जरूरी है। जिंदगी में 4 चीजें बहुत मायने रखते हैं पहला फिटनेस , दूसरा फैमिली,तीसरा फाइनेंस और चौथा फ्यूचर। यदि इन चार एफ पर ध्यान नहीं दिया गया तो जिंदगी में बहुत सारी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए हमें छोटे छोटे इनवेस्टमेंट करते रहना चाहिए ताकि हमारे पास इमर्जेंसी फंड रहे फिर चाहे आप गोल्ड, म्युचुअल फंड, एलआईसी पॉलिसी ले सकते हैं । उन्होंने कहा कि हमारा मानना है कि जब तक महिलाएँ आर्थिक रूप से स्वतंत्र नहीं होंगी, तब तक समाज का पूर्ण विकास संभव नहीं है। हमारा आगामी प्रोजेक्ट हमारे सपनों के आंगन भी इसी दिशा में एक बड़ा कदम है। हम महिलाएँ मिलकर एक-दूसरे को आगे बढ़ाएँगी और अपनी मेहनत से सफलता की नई कहानियाँ गढ़ेंगी।

इस अवसर पर महिला चेम्बर प्रभारी तिलोकचंद बरडिया, चेम्बर कार्यकारी अध्यक्ष राधाकिशन सुन्दरानी, राजेश वासवानी, उपाध्यक्ष-लोकेश चंद्रकांत जैन, दिलीप इसरानी, सुदेश मध्यान, वासुदेव जोतवानी, मंत्री-राजेन्द्र पारख, जतिन नचरानी, महिला चेम्बर अध्यक्ष डॉ इला गुप्ता, हेमल बेन शाह-वित्तीय सलाहकार मनीषा तारवानी -महामंत्री, मीनाक्षी टुटेजा-संरक्षक, इंदिरा जैन,-उपाध्यक्ष, सुनिधि पांडेय महिला युवा प्रभारी, नम्रता अग्रवाल प्रदेश कोषाध्यक्ष, स्वप्निल मिश्रा- रायपुर प्रभारी, ऋचा ठाकुर -उपाध्यक्ष,डिंपल खट्टर, उपाध्यक्ष सुधा ठाकुर, सोनिया संदल, पलक सिंह, अनुपमा सिंह, रंजना मित्तल, नयनतारा ,श्वेता अग्रवाल, बरखा अग्रवाल नयन अग्रवाल, इशिता, कांता धिमान ,देवयानी पांडे,नीतू नंदवानी, रश्मि वाधवा,शीलू शर्मा, मंजू जैन आदि उपस्थित थे।

## महापौर चौबे ने दीपावली के पूर्व स्ट्रीट लाईट व्यवस्था सुधारकर सुचारू बनाने दिये निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर मीनल चौबे ने आज नगर निगम विद्युत विभाग के सभी 10 जोनों के कार्यों की समीक्षा कर शहर में स्ट्रीट लाईट प्रबंधन के संबंध में सुधार के आवश्यक निर्देश दिये है। महापौर मीनल चौबे ने नगर निगम विद्युत एवं अभियांत्रिकीय विभाग की अध्यक्ष सुमन अशोक पाण्डेय सहित अधीक्षण अभियंता संजय बागडे, प्रभारी कार्यपालन अभियंता संदीप शर्मा, सभी जोनों के विद्युत विभाग उपअभियताओ की बैठक लेकर दीपावली के पूर्व पुख्ता स्ट्रीट लाईट प्रबंधन को लेकर आवश्यक बैठक निवास कार्यालय में ली एवं अधिकारियों को निर्देशित किया ।

महापौर ने दीपावली के पूर्व राजधानी शहर के अनुरूप रायपुर की स्ट्रीट लाईट प्रबंधन व्यवस्था को सुधारकर सुचारू बनाने के निर्देश अधिकारियों को दिये। महापौर ने समुचित तरीके से स्ट्रीट लाईट सिस्टम टाईमर सेट करने के निर्देश दिये ताकि कही भी दिन में स्ट्रीट लाईट जलती ना दिखे। महापौर ने निर्देश दिये कि दुर्गोत्सव एवं विजयादशमी के दौरान शहर में अच्छी स्ट्रीट लाईट प्रबंधन व्यवस्था दी जाये और दीपावली के पूर्व शहर की सभी स्ट्रीट लाईट जलाया जाना पूरी तरह प्राथमिकता से सुनिश्चित किया जाये। महापौर ने जोनवार जोन विद्युत उपअभियंताओ से स्ट्रीट लाईट संधारण कार्य प्रबंधन की जानकारी ली एवं अधिकारियों को निर्देशित किया।

महापौर ने अधीक्षण अभियंता एवं प्रभारी कार्यपालन अभियंता को निगम मुख्यालय विद्युत विभाग से प्राथमिकता से व्यवहारिक आवश्यकता के अनुसार सभी जोनो को स्ट्रीट लाईट फिटिंग और आवश्यक सामग्रियां उपलब्ध करवाने के निर्देश दिये एवं जोन विद्युत विभागों की टीमों को भेजकर मुख्य मार्गों एवं वार्डो की स्ट्रीट लाईट प्रबंधन व्यवस्था सुधारकर नागरिको के लिए सुविधायुक्त बनाने निर्देशित किया। महापौर ने स्ट्रीट लाईट से सबंधित प्राप्त सभी जनशिकायतो का प्राथमिकता से त्वरित निदान करने के निर्देश दिये।

## निगम महापौर ने जोन 10 में कार्यों की समीक्षा कर पार्षदों को दिये निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर मीनल चौबे ने नगर निगम जोन 10 कार्यालय में पहुंचकर जोन अध्यक्ष सचिन बी मेधानी, एमआईसी सदस्य डॉ. अनामिका सिंह, पार्षद गायत्री नौरंगे, विनय पंकज निर्मलकर, मनोज जांगडे, सुषमा तिलक साहू, विनय प्रताप सिंह ध्रुव सहित जोन 10 जोन कमिश्नर विवेकानंद दुबे, कार्यपालन अभियंता आशीष शुक्ला, सहायक अभियंता योगेश यद् सहित जोन अधिकारियों, कर्मचारियों की बैठक लेकर जोन के सभी 7 वार्डों के कार्यों की समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिये।

महापौर मीनल चौबे ने नगर निगम जोन 10 क्षेत्र के तहत प्रधानमंत्री आवास योजना और बीएसयूपी योजना परिसर की सफाई व्यवस्था सुधारने वहां स्वच्छता कायम करने जोन से पृथक सफाई गैंग बनाने अतिरिक्त सफाई कामगार लगाने आवश्यक प्रस्ताव शीघ्र देने के निर्देश जोन कमिश्नर को दिये। महापौर ने जोन 10 के वार्डो में जलभराव की समस्या दूर करने गंदे पानी का सुगम निकास कायम करने वार्डो में नई नालियों और नालो के निर्माण का व्यवहारिक आवश्यकता के अनुसार प्रस्ताव बनाकर शीघ्र सक्षम स्वीकृति लेने नगर निगम मुख्यालय में भेजे जाने के निर्देश जोन कमिश्नर को दिये। वार्ड 49, 50, 52, 53, 54, 55 के क्षेत्रो में नाली नाला निर्माण के आवश्यक कार्य शीघ्र करने प्रस्ताव देने के निर्देश महापौर ने जनहित में दिये। महापौर मीनल चौबे ने अधिकारियों को वार्डो में जलभराव की समस्या को शीघ्र दूर करने को प्राथमिकता देने निर्देशित किया। महापौर ने सभी वार्ड पार्षदों से चर्चा कर वार्डो की जनसमस्याओं की जानकारी ली एवं जनसमस्याओं का त्वरित निदान करने आवश्यक कार्यवाही हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया।

# आत्मनिर्भर भारत अभियान तीन महीनों में किए जाएंगे विभिन्न कार्यक्रम - जोशी

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** भारतीय जनता पार्टी के सांसद और आत्मनिर्भर भारत अभियान के राष्ट्रीय सह संयोजक सी.पी. जोशी ने कहा है कि आज दुनिया को कोई युवा देश है तो वह भारत है। हमारी युवा शक्ति और इस देश की प्रचुर सम्भावनाओं को देखते हुए आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत अनेक कार्यक्रमों की रचना कर आने वाले तीन महीनों में इन्हें पूरा किया जाएगा। श्री जोशी शुक्रवार को यहाँ कुशाभाऊ ठाकरे परिसर स्थित प्रदेश कार्यालय में आहूत पत्रकार वार्ता को सम्बोधित कर रहे थे।

भाजपा सांसद और आत्मनिर्भर भारत अभियान के राष्ट्रीय सह संयोजक श्री जोशी ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत अभियान के निमित्त विशेषकर महिला और युवा उद्यमियों के लिए सम्मेलन से लेकर अनेक कार्यक्रम तय किए गए हैं। आने वाले तीन महीनों में इन कार्यक्रमों को प्रदेश, जिला और मण्डल की टोलियाँ मूर्तरूप देने का काम करेगी। श्री जोशी ने कहा कि यह अभियान प्रधानमंत्री श्री मोदी की विकसित भारत की संकल्पना को साकार कर देश की आजादी के शताब्दी वर्ष में भारत को विकसित राष्ट्र की कतार में खड़ा करेगा।

इस दृष्टि से पं. दीनदयाल उपाध्याय जी ने जो प्रस्तावना रखी है, उसे आत्मसात् करने का काम भारत की सरकार प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में कर रही है। इस अभियान को जन-जन का अभियान बनाकर इससे देश का हर नागरिक जुड़े, यह हमारा लक्ष्य है। शुक्रवार को राजधानी में हुई कार्यशाला की चर्चा करते हुए श्री जोशी ने कहा कि प्रमुख रूप से आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के तहत 'हर घर स्वदेशी-घर घर स्वदेशी' को लेकर भाजपा देशभर में राष्ट्रीय स्तर से लेकर प्रदेश, जिला और मण्डल स्तर तक कार्यशालाओं का आयोजन कर रही है। आगामी 25 सितम्बर से लेकर 25 दिसम्बर, 2025 तक देशभर में अनेक कार्यक्रम होंगे। इसका मुख्य उद्देश्य देश में 85 प्रतिशत दैनिक उपयोग व खाने-पीने की वस्तुओं को लेकर स्वदेशी का आग्रह करना है। भाजपा सांसद और आत्मनिर्भर भारत अभियान के राष्ट्रीय सह संयोजक श्री जोशी ने कहा कि यह देश आजादी से पूर्व आत्मनिर्भर था। सन् 1720 में हमारी अर्थ-व्यवस्था 18 फीसदी थी, लेकिन आजादी के बाद जैसी परिस्थितियाँ बनीं, वह देश ने देखी है। पर अब पिछले 10-11 वर्षों में इस देश से अलग-अलग क्षेत्रों में बहुत बड़ी-बड़ी उपलब्धियाँ हासिल की हैं। 1947 के बाद इस देश ने गेहूँ आयात होते भी देखा है, सोना गिरवी रखते हुए भी देखा है, इस देश की अर्थ-व्यवस्था भी देखी है, इस देश का दिशा-चक्र भी दुनिया पर निर्भर होते भी देखा है। लेकिन पिछले 10-11 वर्षों में चाहे चावल का निर्यात हो, चाहे गेहूँ का उत्पादन हो, चाहे दुग्ध उत्पादक का मुद्दा हो, दुनिया में सिरमौर आज भारत ही बन रहा है। सेमी कण्डक्टर चिप से लेकर मोबाइल उत्पादन तक, चन्द्रयान से लेकर आदित्य यान, ब्रह्मोस से लेकर आकाश गंगा व तेजस जैसे फाइटर प्लेन, रक्षा क्षेत्र में 34 गुना निर्यात इस बात का प्रमाण हैं कि आज भारत हर क्षेत्र में नए-नए आयाम गढ़ रहा है। पिछले 10 वर्षों में इंटरनेशल मॉनीटरी फण्ड के अनुसार देश के 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर निकले हैं।

भाजपा सांसद और आत्मनिर्भर भारत अभियान के राष्ट्रीय सह संयोजक श्री जोशी ने जीएसटी कर-सुधारों को ऐतिहासिक कदम बताते हुए कहा कि देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार इस बात के लिए भी व्यक्त कर रहा है कि जीएसटी रिफॉर्म्स करके देश की जनता को बहुत बड़ी राहत देने का काम श्री मोदी ने किया है। चार टैक्स स्लैब को घटाकर दो स्लैब 5 और 18 प्रतिशत कर दिया गया है। इनमें कृषि, स्वास्थ्य, जीवन बीमा जैसे अनेक क्षेत्रों में जीएसटी को 0 से 5 प्रतिशत कर दिया गया है। ऑटोमोबाइल्स सेक्टर में 10 फीसदी का आर्थिक लाभ देश की जनता को मिलेगा और व्यापार-व्यवसाय का संचालन सरलीकृत होगा। टैक्स में जो बचत होगी, वह राशि कहीं-न-कहीं खर्च होगी तो इससे खपत बढ़ेगी और उत्पादन भी बढ़ेगा। इससे देश की जो अर्थ-चक्र तेज गति से बढ़ेगा। पत्रकार वार्ता में प्रदेश भाजपा महामंत्री यशवंत जैन और प्रदेश उपाध्यक्ष व आत्मनिर्भर भारत अभियान की प्रदेश संयोजक सांसद रूपकुमारी चौधरी भी उपस्थित थीं।

## मेडिकल युवा महोत्सव तरंग - 2025 का आयोजन कल से

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** इंडियन मेडिकल एसोसिएशन और मेडिकल स्टूडेंट्स नेटवर्क (आईएमए-एमएसएन) के संयुक्त तत्वाधान में मेडिकल युवा महोत्सव तरंग - 2025 का आयोजन 20 व 21 सितंबर को पं.जे.एन.एम. मेडिकल कॉलेज, रायपुर में होने जा रहा है। एक-दो नहीं बल्कि 9 एक्सक्लूसिव हैंड्स-ऑन वर्कशॉप होंगे। शहर के सभी डाक्टर्स तो मौजूद रहेंगे ही, इस गरिमामय आयोजन में राज्य के स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल भी उत्साहवर्धन के लिए शामिल होंगे। तरंग 2025 का थीम मान सकते हैं। जहाँ ज्ञान संस्कृति से मिलता है और युवा सृजन करते हैं। पूरे आयोजन की रुपरेखा पीसी के माध्यम से रखते हुए डॉ. सुरेंद्र शुक्ला व सहयोगियों ने बताया कि विभिन्न कार्यशाला होंगे। बेसिक लाइफ सपोर्ट (बीएलएस) - इस कार्यशाला के मेंटर डॉ. प्रतिभा शाह हैं। यह कार्यशाला नए ऑडिटोरियम में आयोजित की जाएगी। ऑर्थोपेडिक्स - इस कार्यशाला के मेंटर डॉ. सुरेंद्र शुक्ला और डॉ. सुशील शर्मा हैं। यह एलएच 2 में होगी। ओबीएस (प्रसूति विज्ञान) - इस कार्यशाला की मेंटर डॉ. सरिता अग्रवाल हैं। इसका आयोजन डेमॉस्ट्रेशन रूम में किया जाएगा।

# हिंदी से बंगाली सिनेमा तक, मेघना नायडू ने सभी भाषाओं में दी शानदार फिल्में

**मेघना नायडू ने भारतीय सिनेमा की कई भाषाओं में काम करके खुद को एक अलग मुकाम दिया है। हिंदी फिल्मों के साथ-साथ तेलुगु, तमिल, कन्नड़, मलयालम, मराठी और बंगाली फिल्मों में उनकी मौजूदगी ने यह साबित किया है कि मेघना सिर्फ बॉलीवुड तक सीमित नहीं हैं। इस वजह से उन्हें मल्टीटास्कर एक्ट्रेस कहा जा सकता है।**

मेघना नायडू का जन्म 19 सितंबर 1980 को आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा में हुआ था। उनके पिता एयर इंडिया में काम करते थे और एक टेनिस कोच भी थे, जबकि उनकी मां स्कूल टीचर थीं। मेघना का बचपन मुंबई में बीता, जहां उन्होंने अपनी पढ़ाई पूरी की। उन्होंने अंधेरी से बीकॉम की डिग्री हासिल की। बचपन से ही मेघना को डांस का शौक था और उन्होंने सात साल तक भरतनाट्यम का प्रशिक्षण भी लिया। इसके अलावा, वे चार साल तक अमेरिका में टेनिस की कोचिंग भी दे चुकी हैं।

मेघना ने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग से की थी। 18 साल की उम्र में तेलुगु फिल्म प्रेमा साक्षी से उन्होंने अभिनय की दुनिया में कदम रखा। इसके बाद उन्होंने तेलुगु के साथ-साथ कन्नड़ फिल्मों में भी काम किया। उन्हें बड़ा ब्रेक 2002 में म्यूजिक वीडियो कलियों का चमन से मिला। यह गाना रिमिक्स वर्जन में था, जिसे लता मंगेशकर के गाने थोड़ा रेशम लगता है पर बनाया गया था। इस म्यूजिक वीडियो ने उन्हें रातोंरात स्टार बना दिया।

इसके बाद मेघना ने फिल्म हवस के जरिए बॉलीवुड में कदम रखा, जिसमें उन्होंने बोल्ड भूमिका निभाई। इसके बाद उन्होंने जैकपॉट, माशूका, क्वालिटी ऑफ लव जैसी फिल्मों में भी काम किया। हालांकि, बॉलीवुड में उनका करियर ज्यादा लंबा नहीं चला, लेकिन उन्होंने साउथ फिल्मों में लगातार काम किया। तमिल, तेलुगु, मलयालम, बंगाली और कन्नड़ भाषाओं की फिल्मों में उन्होंने अपनी बहुमुखी प्रतिभा दिखाई।

मेघना नायडू की बहुभाषी फिल्मों में काम करने की वजह से उन्हें विभिन्न क्षेत्रों के दर्शकों ने भी पहचाना। वे सिर्फ हिंदी सिनेमा की ही नहीं बल्कि दक्षिण भारतीय सिनेमा की भी लोकप्रिय अभिनेत्री रहीं। इसके साथ ही, उन्होंने टीवी की दुनिया में भी कदम रखा और खतरों के खिलाड़ी और डांसिंग क्वीन जैसे रियलिटी शो में हिस्सा लिया। वे टीवी सीरियल जोधा अकबर और ससुराल सिमर का में भी नजर आईं।

मेघना ने टेनिस खिलाड़ी लुइस मिगुएल रीस से शादी की और अब वे दुबई में अपने पति के साथ रहती हैं। शादी के बाद उन्होंने फिल्म और टीवी की दुनिया से दूरी बना ली, लेकिन वे सोशल मीडिया पर एक्टिव रहती हैं और अपने फैंस के साथ अपनी जिंदगी की झलकियां साझा करती रहती हैं।

# अभिनेत्री अन्या सिंह की रायः 'आर्यन खान की सोच में है अनोखी स्पष्टता'

**आर्यन खान के निर्देशन में बनी पहली फिल्म द बैड्स ऑफ बॉलीवुड 18 सितंबर को ओटीटी पर प्रसारित हुई। अभिनेत्री अन्या सिंह को इस शो में उनके अभिनय के लिए शानदार समीक्षाएं मिल रही हैं। कलाकारों की टोली में सबसे सरप्राइज मानी जाने वाली इस अभिनेत्री ने शो में और आर्यन खान के साथ काम करने के अपने अनुभव के बारे में बात की। अपने अनुभव साझा करते हुए, अन्या ने कहा, द बैड्स ऑफ बॉलीवुड में काम करना वाकई एक समृद्ध अनुभव रहा है।**

आर्यन के विचारों में एक अनोखी स्पष्टता है और कहानी कहने का उनका नजरिया बेहद आधुनिक है। उन्होंने आगे कहा, उन्होंने मुझे मेरे कम्फर्ट जोन से बाहर निकाला और एक अभिनेता के रूप में मेरे निडर पक्ष को सामने लाया। मुझे लगता है कि इसी बात ने इस सफर को इतना खास बना दिया। अब दर्शकों को हमारे काम पर प्रतिक्रिया देते और उससे जुड़ते देखना वाकई बहुत ही रोमांचक है।

18 सितंबर को ओटीटी पर प्रसारित होने के बाद से ही द बैड्स ऑफ बॉलीवुड को दर्शकों से शानदार समीक्षाएं मिल रही हैं। इस प्रोजेक्ट की बात करें तो, यह अपनी घोषणा के बाद से ही सुर्खियों में रहा है और अगस्त में आयोजित भव्य लॉन्च इवेंट के दौरान, आर्यन खान ने मीडिया के सामने अपना पहला सार्वजनिक भाषण दिया और अपनी ईमानदारी और हाजिरजवाबी से प्रशंसकों का दिल जीत लिया। इस इवेंट का एक खास पल जो वायरल हुआ, उसने दर्शकों को शाहरुख के हास्य अंदाज की याद दिला दी और साबित कर दिया कि आर्यन को अपने पिता के जीन विरासत में मिले हैं।

भाषण के दौरान, आर्यन ने स्वीकार किया कि वह घबराए हुए थे और उन्होंने बताया कि वह लगातार तीन रातों से तैयारी कर रहे थे। उन्होंने मजाक में कहा कि बिजली गुल होने और टेलीप्रॉम्प्टर में गड़बड़ी होने की स्थिति में एक हस्तलिखित नोट साथ रखना चाहिए और यहाँ तक कि टॉर्च भी निकालनी चाहिए, जिससे उनके प्रशंसक खुश हो गए। एक हल्के-फुल्के पल में, आर्यन ने कहा, और अगर तभी मुझसे कोई गलती हो जाए, तो पापा हैं ना। इस भावुक पल में, शाहरुख खान भी आर्यन के भाषण की एक कॉपी के साथ अपनी पीठ दिखाकर मस्ती में शामिल हो गए, और जरूरत पड़ने पर मदद के लिए तैयार रहे। 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में बॉबी देओल, लक्ष्य, सहर बाम्बा, मनोज बावा, मोना सिंह, मनीष चौधरी, राघव जुयाल, अन्या सिंह और गौतमी कपूर जैसे सितारे शामिल हैं, साथ ही सलमान खान, करण जौहर और रणवीर सिंह ने भी कैमियो किया है। इस शो को आर्यन खान ने बिलाल सिद्दीकी और मानव चौहान के साथ मिलकर बनाया है।

# अभिनेत्री दीपिका सिंह का स्टाइलिश अंदाज सोशल मीडिया पर तस्वीरें की पोस्ट

**टीवी इंडस्ट्री की जानी-मानी अभिनेत्री दीपिका सिंह ने बुधवार को सोशल मीडिया पर अपनी कुछ शानदार तस्वीरें साझा कीं। इंस्टाग्राम पर पोस्ट की गई इन तस्वीरों में दीपिका का ग्लैमरस और आकर्षक लुक काफी शानदार दिख रहा है।**

दीपिका ने मेटैलिक सिल्वर कलर का खूबसूरत गाउन पहना है, जो उनकी सुंदरता को और निखार रहा है। मिनिमल मेकअप के साथ उन्होंने अपने लुक को और भी खास बनाया। उनके कानों में स्टाइलिश इयररिंग और हाथों में ब्रेसलेट उनकी सादगी और फैशन के बीच शानदार तालमेल दिखा रहे हैं।

पहली तस्वीर में दीपिका अपने बालों को संवारते हुए कैमरे की ओर देखकर पोज दे रही हैं। दूसरी तस्वीर में वह अपने हाथों को पकड़ते हुए आत्मविश्वास से भरे अंदाज में कैमरे की तरफ देख रही हैं। बाकी तस्वीरों में भी उन्होंने अलग-अलग स्टाइलिश पोज देकर अपने फैशन सेंस का जलवा बिखेरा है। हर तस्वीर में उनका अनोखा अंदाज और मुस्कान प्रशंसकों को लुभा रही है।

इन तस्वीरों के साथ दीपिका ने एक खूबसूरत कैप्शन भी लिखा, परंपरा से जुड़ा और सुंदरता से भरपूर। तस्वीरों को देख फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे। कमेंट सेक्शन में प्रशंसकों ने दिल और आग वाले इमोजी के साथ उनकी खूबसूरती की जमकर तारीफ की। दीपिका सिंह टीवी धारावाहिक दिया और बाती हम में संध्या राठी का किरदार निभाकर घर-घर में मशहूर हुई थीं। उनकी एक्टिंग और सादगी ने हमेशा दर्शकों का दिल जीता है। दीपिका ने दिया और बाती हम के लिए कई अवॉर्ड्स जीते, जिनमें स्टार परिवार अवॉर्ड, इंडियन टेली अवॉर्ड और ज़ी गोल्ड अवॉर्ड शामिल हैं। दीपिका सिंह के सबसे हालिया प्रोजेक्ट्स में कलर्स टीवी का शो मंगल लक्ष्मी शामिल है, जहां वह मंगल श्रीवास्तव सक्सेना की भूमिका निभा रही हैं। दीपिका सिंह ने अपनी फिल्म टीटू अंबानी से हिंदी फिल्मों में भी कदम रखा है।

# सुबह खाली पेट चाय पीने से हो सकते हैं ये नुकसान, न करें गलती

**सुबह खाली पेट चाय पीने से कई स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। चाय में कैफीन की मात्रा अधिक होती है, जो खाली पेट पर पड़ने पर गैस, जलन और पेट दर्द जैसी समस्याओं का कारण बन सकती हैं। इसके अलावा खाली पेट पर चाय पीने से पाचन क्रिया भी प्रभावित हो सकती है। इसलिए सुबह उठते ही चाय पीने की आदत को छोड़ देना चाहिए और पहले कुछ हल्का खा लेना चाहिए, फिर चाय का सेवन करना चाहिए।**

## पाचन क्रिया हो सकती है प्रभावित

खाली पेट पर चाय पीने से पाचन क्रिया पर बुरा असर पड़ सकता है। चाय में मौजूद कैफीन की अधिक मात्रा पाचन के लिए जरूरी तत्वों के संतुलन को बिगाड़ सकती है, जिससे अपच, गैस और पेट दर्द जैसी कई समस्याएं हो सकती हैं। इसके अलावा चाय के कारण पेट में जलन भी हो सकती है। इसलिए सुबह उठते ही चाय पीने से पहले कुछ हल्का खा लेना चाहिए और फिर चाय का सेवन करना चाहिए।

## ब्लड शुगर हो सकता है असंतुलित

सुबह खाली पेट चाय पीने से ब्लड शुगर का स्तर भी प्रभावित हो सकता है। इससे शरीर में इंसुलिन का स्तर बढ़ जाता है, जिससे ब्लड शुगर असंतुलित हो सकता है। यह स्थिति मधुमेह से पीड़ित लोगों के लिए खतरनाक हो सकती है। इसके अलावा यह स्थिति स्वस्थ लोगों के लिए भी नुकसानदेह हो सकती है। इसलिए सुबह उठते ही चाय पीने की आदत को छोड़ देना चाहिए और पहले कुछ हल्का खा लेना चाहिए।

## गर्भवती महिलाओं और बच्चों के लिए हो सकती है खतरनाक

खाली पेट पर चाय पीने से गर्भवती महिलाओं और बच्चों को भी नुकसान हो सकता है। गर्भवती महिलाओं को पर्याप्त पोषण की जरूरत होती है, जो उन्हें खाने से ही मिल सकता है। खाली पेट पर चाय पीने से उन्हें पर्याप्त पोषण नहीं मिल पाता है। इसके अलावा बच्चों का पाचन तंत्र भी कमजोर होता है, इसलिए उन्हें खाली पेट पर चाय नहीं पिलानी चाहिए। इससे उनकी सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है।

## हड्डियों को पहुंचा सकती है नुकसान

खाली पेट पर चाय पीने से हड्डियों पर भी बुरा असर पड़ सकता है। चाय में मौजूद फ्लोराइड की अधिक मात्रा हड्डियों को कमजोर कर सकती है, जिससे हड्डियों की समस्याएं हो सकती हैं। इसके अलावा चाय में मौजूद कुछ तत्व हड्डियों को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसलिए सुबह उठते ही चाय पीने की आदत को छोड़ देना चाहिए और पहले कुछ हल्का खा लेना चाहिए, फिर चाय का सेवन करना चाहिए।

## कैफीन की अधिकता से बढ़ सकता है तनाव

खाली पेट पर चाय पीने से शरीर में कैफीन की अधिकता हो जाती है, जिससे तनाव बढ़ सकता है। खाली पेट पर चाय पीने से शरीर में एक विशेष हार्मोन का स्तर बढ़ता है, जो तनाव का मुख्य कारण होता है। इसके अलावा इस हार्मोन के बढ़ने से शरीर में जलन भी बढ़ जाती है, जिससे स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए सुबह उठते ही चाय पीने की आदत को छोड़ देना चाहिए।

# अभिनेत्री प्राजक्ता कोली ने शेयर की लेटेस्ट तस्वीरें, क्रॉप टॉप में ढाया कहर

**मशहूर इंफ्लूएंसर और अभिनेत्री प्राजक्ता कोली अक्सर अपनी सोशल मीडिया पोस्ट से फैंस के बीच सुर्खियों में बनी रहती हैं। इस बीच उन्होंने शनिवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट की। अभिनेत्री की लेटेस्ट इंस्टाग्राम तस्वीरें उनके फैशन सेंस को शानदार तरीके से दिखा रही हैं।**

इन तस्वीरों में उन्होंने काले रंग की आउटफिट पहनी है, जिसमें एक क्रॉप टॉप और मैचिंग पैंट शामिल हैं। यह क्रॉप टॉप उनकी कर्वी फिगर को हाइलाइट कर रहा है और ट्राउजर का स्लिम फिट उनकी हाइट को और भी आकर्षक बना रहा है। उन्होंने अपने लुक को मिनिमल मेकअप और सनग्लासेस के साथ पूरा किया, जो उनकी नेचुरल चमक को और बढ़ा रहा है।

प्राजक्ता ने तस्वीर पोस्ट करके कैप्शन दिया, हेलो? वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेत्री ने रोमांटिक ड्रामा सीरीज 'मिसमैच्ड' से अभिनय की शुरुआत की थी, जिसके बाद वह फिल्म 'जुग जुग जियो' में भी नजर आईं थीं। उनका खुद का यूट्यूब चैनल भी है, जिसकी वजह से उन्होंने लोगों के बीच अच्छी पहचान बनाई थी। उनकी हालिया रिलीज सीरीज 'अंधेरा' थी, जिसके 8 एपिसोड थे। इस सीरीज में प्राजक्ता के साथ सुरवीन चावला, प्रिया बापट और करणवीर मल्होत्रा के साथ वत्सल सेठ, परवीन डबास और प्रणय पचौरी भी अहम किरदारों में थे। इसकी कहानी गौरव देसाई, राघव दर, चिंतन सरडा और करण अंशुमान ने मिलकर लिखी है। वहीं, इसका निर्देशन राघव दर ने किया है।

मुंबई की पृष्ठभूमि पर आधारित है और इसमें इंस्पेक्टर कल्पना कदम और मेडिकल स्टूडेंट जय की कहानी दिखाई गई है, जो एक लापता व्यक्ति के केस में उलझ जाते हैं। यह केस उन्हें शहर में छिपी एक भयावह शक्ति की ओर ले जाता है। यह सीरीज क्या होगा अगर अंधेरा जीवित हो जाए? जैसे काल्पनिक सवाल की खोज करती है। एक्सेल एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित और राघव दार द्वारा निर्देशित यह सीरीज प्राइम वीडियो पर स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध है।

# त्योहारों के अवसर पर ग्लोइंग मेकअप करने के लिए अपनाएं ये शानदार टिप्स

**त्योहारों का मौसम नजदीक है और ऐसे में हर महिला चाहती है कि वह सबसे अलग और खूबसूरत दिखें। सही मेकअप से यह संभव है। मेकअप न केवल चेहरे की खूबसूरती बढ़ाता है, बल्कि आत्मविश्वास भी बढ़ाता है। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे टिप्स देंगे, जिन्हें अपनाकर आप त्योहारों पर चमकदार दिख सकती हैं। इन सरल और प्रभावी टिप्स की मदद से आपका चेहरा निखरा हुआ और आकर्षक लगेगा।**

## त्वचा की सफाई करें

मेकअप करने से पहले अपनी त्वचा को अच्छी तरह से साफ करें। इसके लिए हल्का फेसवॉश इस्तेमाल करें, जिससे आपकी त्वचा ताजगी महसूस करेगी। इसके बाद टोनर का उपयोग करें, जो रोमछिद्रों को साफ करता है और त्वचा को तैयार करता है। इससे मेकअप लंबे समय तक टिका रहता है और चेहरा चमकदार दिखता है। त्वचा की सफाई से न केवल गंदगी और तेल हटता है, बल्कि यह त्वचा को आराम भी देता है।

## मॉइस्चराइजर लगाएं

फेसवॉश के बाद अपनी त्वचा पर मॉइस्चराइजर लगाना बहुत जरूरी है। यह आपकी त्वचा को नमी प्रदान करता है और मेकअप को चिकना बनाता है। अगर आपकी त्वचा तैलीय प्रकार की है तो जेल बेस्ड मॉइस्चराइजर का उपयोग करें, जबकि सूखी त्वचा वालों के लिए क्रीम बेस्ड मॉइस्चराइजर बेहतर रहेगा। सही प्रकार का मॉइस्चराइजर लगाने से आपकी त्वचा मुलायम और स्वस्थ दिखेगी, जिससे मेकअप भी लंबे समय तक टिका रहेगा।

## प्राइमर लगाएं

प्राइमर मेकअप का पहला कदम होता है, जो आपके मेकअप को लंबे समय तक टिकाने में मदद करता है। यह रोमछिद्रों को भरता है और त्वचा को एक समान बनाता है। प्राइमर लगाने से फाउंडेशन आसानी से फैलता है और चेहरे पर एक समान दिखता है। इसके अलावा यह चेहरे की तेलीयता को नियंत्रित करता है और चमकदार लुक देता है। सही प्राइमर का चुनाव आपकी त्वचा के प्रकार पर निर्भर करता है, जैसे कि सूखी, तैलीय या मिश्रित।

## फाउंडेशन लगाएं

फाउंडेशन आपके चेहरे की असमानताओं को छुपाने में मदद करता है और एक समान रंग देता है। अपनी त्वचा के रंग के अनुसार फाउंडेशन चुनें और उसे अच्छी तरह से मिलाएं ताकि कोई धारियां न दिखें। इसके लिए उंगलियों, ब्रश या स्पंज का उपयोग कर सकती हैं। फाउंडेशन लगाने से पहले प्राइमर जरूर लगाएं ताकि त्वचा चिकनी दिखे और फाउंडेशन लंबे समय तक टिका रहे। सही फाउंडेशन चुनने से आपका चेहरा निखरा हुआ और आकर्षक लगेगा।

## लिपस्टिक और ब्लश लगाएं

लिपस्टिक और ब्लश आपके चेहरे को जीवंत बनाते हैं। हल्का गुलाबी ब्लश आपकी गालों पर ताजगी भरी दिखता है जबकि गहरे रंग की लिपस्टिक आपके होंठों को आकर्षक बनाती है। अगर आप पारंपरिक पोशाक पहन रही हैं तो लाल या मैरून रंग की लिपस्टिक चुन सकती हैं। इससे आपका लुक पूरा होगा और आप त्योहारों में सबसे अलग दिखेंगी। इन सरल और प्रभावी टिप्स की मदद से आपका चेहरा निखरा हुआ और आकर्षक लगेगा।

# राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 नवभारत के निर्माण की आधारशिला : मंत्री टंक राम वर्मा

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर। पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर में आज राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 पर आधारित एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का आयोजन मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग सेंटर एवं एनईपी इम्प्लीमेंटेशन सेल द्वारा किया गया। उच्च शिक्षा मंत्री टंक राम वर्मा ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को भारत के भविष्य की दिशा और दशा तय करने वाला एक क्रांतिकारी कदम बताया।**

## राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 नवभारत के निर्माण की आधारशिला




यह नीति 21वीं सदी के नवभारत की आधारशिला मानी जा रही है, जिसका उद्देश्य वर्ष 2047 तक भारत को विकसित, सक्षम और श्रेष्ठ राष्ट्र के रूप में स्थापित करना है। मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि शिक्षा नीति के प्रथम चरण में हम प्रवेश कर चुके हैं और इसे सफल बनाने के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं। यह नीति केवल ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों को नैतिक, मानसिक, भावनात्मक और तकनीकी दृष्टि से भी सशक्त बनाएगी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के मुख्य उद्देश्य गुणवत्ता, समानता, समावेशिता और सुलभता सुनिश्चित करना है। नीति के तहत पाठ्यक्रमों का पुनर्गठन, विषयों के बीच समन्वय, और शिक्षक प्रशिक्षण एवं शोध को बढ़ावा देने पर विशेष बल दिया जा रहा है। साथ ही उद्योग और शिक्षा की भागीदारी को प्रोत्साहित कर युवाओं को कौशल विकास और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाया जाएगा।

मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि सरकार ने प्राध्यापकों की कमी दूर करने के लिए 700 पदों की स्वीकृति दी है। डिजिटल संसाधन, प्रयोगशालाएं, पुस्तकालय और ई-लर्निंग सुविधाओं के विस्तार पर भी कार्य हो रहा है। मातृभाषा और स्थानीय सांस्कृतिक संदर्भों को पाठ्यक्रम में शामिल करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। विषयों की कठोर सीमाओं को समाप्त कर लचीलापन प्रदान करने के साथ ही विद्यार्थियों को सीखने की स्वतंत्रता प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा और सांस्कृतिक विविधता को संरक्षित करना। आधुनिक तकनीक और रोजगारपरक शिक्षा को प्रोत्साहन देगी। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा टास्क फोर्स का गठन किया गया है, जो समयबद्ध योजना बनाकर प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में नीति के प्रावधानों को लागू करने की दिशा में कार्य कर रही है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि जीवन परिवर्तन का साधन है। इसका सफल क्रियान्वयन विद्यार्थियों को शिक्षित करने के साथ ही उन्हें सृजनशील, सामाजिक रूप से जागरूक और राष्ट्रभक्ति की भावना से परिपूर्ण बनाएगा। मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि शिक्षा केवल परीक्षा पास करने का माध्यम नहीं है, बल्कि जीवन को समझने और संवारने का साधन है। इस नई शिक्षा नीति के माध्यम से आने वाले समय में रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे और शिक्षा व्यवस्था अधिक समग्र तथा विद्यार्थी-केंद्रित होगी।

इस अवसर पर विशेषज्ञों ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की प्रमुख विशेषताओं पर चर्चा की और शिक्षकों को नई शिक्षा व्यवस्था में उनकी भूमिका के बारे में मार्गदर्शन दिया। कार्यशाला का उद्देश्य शिक्षकों एवं शिक्षाविदों को एनईपी के क्रियान्वयन की गहन जानकारी प्रदान करना और उच्च शिक्षा के क्षेत्र में नई दृष्टि विकसित करना रहा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को शिक्षा के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक बदलाव के रूप में देखा जा रहा है। इस नीति का उद्देश्य विद्यार्थियों को विषयों की दीवारों से मुक्त कर विज्ञान, वाणिज्य और कला जैसे क्षेत्रों को एक साथ पढ़ने की स्वतंत्रता देना है।

# प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से ग्रामीण परिवारों को मिल रही बड़ी राहत

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और आमजनों के जीवन में आर्थिक मजबूती का आधार बन रही है। इस योजना से प्रदेश के ग्रामीण एवं शहरी दोनों ही उपभोक्ताओं को सीधे तौर पर लाभ मिल रहा है। लोग अब बिजली बिल की चिंता से मुक्त होकर सौर ऊर्जा के माध्यम से स्वच्छ और सस्ती ऊर्जा का उपयोग कर रहे हैं।**

इसी क्रम में सक्ती जिला अंतर्गत ग्राम जर्वे के किसान राजकुमार मनहर इस योजना से लाभान्वित हुए हैं। उन्होंने जून 2025 में अपने घर की छत पर 2 किलोवाट क्षमता का रूफ्टॉप सोलर पैनल स्थापित कराया। इस पर लगभग 1 लाख 26 हजार रुपये की लागत आई, जिसमें से 60,000 रुपये की सब्सिडी केंद्र सरकार से मिल चुकी है और 30,000 रुपये की सब्सिडी राज्य सरकार से मिलने की प्रक्रिया में है।

श्री मनहर ने बताया कि सोलर पैनल लगने के बाद उनका बिजली बिल पूरी तरह से शून्य हो गया है। पहले उन्हें हर महीने 300 से 400 रुपये तक का बिल देना पड़ता था, लेकिन अब बिजली खर्च की कोई चिंता नहीं रही। उन्होंने इसे किसानों और ग्रामीण परिवारों के लिए एक क्रांतिकारी योजना बताते हुए अन्य उपभोक्ताओं से भी इसका लाभ उठाने की अपील की।

योजना के तहत एक किलोवाट सोलर पैनल पर 30,000 रुपये केंद्र सरकार और 15,000 रुपये राज्य सरकार की सब्सिडी,दो किलोवाट पर 60,000 रुपये केंद्र और 30,000 रुपये राज्य सब्सिडी और तीन किलोवाट पर 78,000 रुपये केंद्र और 30,000 रुपये राज्य सब्सिडी दी जा रही है।

सोलर प्लांट से न केवल घरेलू बिजली जरूरतें पूरी हो रही हैं, बल्कि अतिरिक्त उत्पादन से उपभोक्ता ऊर्जादाता भी बन सकते हैं। पंजीयन के लिए उपभोक्ता ऑनलाइन पोर्टल https//pmsuryaghar.gov.in , पीएम सूर्यघर मोबाइल एप, सीएसपीडीसीएल की वेबसाइट या टोल फ्री नंबर 1912 का उपयोग कर सकते हैं। इस योजना के चलते प्रदेशभर में ग्रामीण और शहरी परिवार तेजी से सौर ऊर्जा को अपना रहे हैं।

# प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से सत्येंद्र के बिजली बिल की चिंता हुई दूर, पिछले 8 महीने से बिल जीरो

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना उपभोक्ताओं के लिए उपयोगी और मददगार साबित हो रही है। बोरियाखुर्द निवासी सत्येंद्र चंद्राकर प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए बताया की जनवरी 2025 में उन्होंने अपने घर की छत पर 4 किलोवाट क्षमता का सोलर पैनल स्थापित किया है। इस पर करीब 2.20 लाख रूपए की लागत आयी, जिसमें शासन से उन्हें 78 हजार रूपए का अनुदान मिला था। उन्होंने बताया कि पहले हर माह उनका बिजली बिल 2500 से 3500 रूपए आता था।

गर्मी के दिनों में यह खर्च 4000 रूपए से अधिक हो जाता था। साथ ही उन्होंने जब से म्ट कार लिया तब से बिल और अधिक बढ़ गया। लेकिन सौर पैनल लगाने के बाद जनवरी 2025 से अब तक उनका बिजली बिल शून्य आ रहा है। इतना ही नहीं, अतिरिक्त बिजली का उत्पादन होने पर वह ग्रिड में भी जमा हो रही है।

श्री चंद्राकर ने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना बेहद उपयोगी है। उन्होंने बताया कि अब छत्तीसगढ़ सरकार ने भी प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत सोलर पैनल लगाने पर 15 से 30 हजार रूपए तक का अतिरिक्त अनुदान देने की घोषणा की है, जिससे उपभोक्ताओं को अब दोहरा लाभ मिलेगा। उन्होंने आम नागरिकों से अपील की कि वे इस योजना का लाभ लेकर बिजली उपभोक्ता से ऊर्जा-दाता बनने की दिशा में कदम बढ़ाएं।

श्री चंद्राकर ने बताया कि समाचार पत्रों के माध्यम से मुझे जानकारी मिली तथा मैने पीएम सूर्यघर के वेबसाइट से ऑनलाइन फॉर्म भर दिया, जो बेहद सरल थी इसमें मुझे कोई परेशानी नहीं हुई। जल्द ही मेरे छत में पैनल इंस्टॉल कर दिया गया। महज 10 से 15 दिनों में अनुदान की राशि मुझे प्राप्त हो गई। उन्होंने बताया कि यह पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अच्छी पहल है। मैं पर्यावरण को संरक्षित करने में विश्वास करता हूं इसलिए म्ट कार इस्तेमाल कर रहा हूं। कल पेट्रोल एवं डीजल खत्म हो जाएगा लेकिन सूर्य अपनी रोशनी देना बंद नहीं करेगा।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री सूर्यघर-मुफ्त बिजली योजना अंतर्गत अपने घर की छत पर ही ऊर्जा का उत्पादन करने की यह पहल बिजली के बिल से मुक्ति दिलाने तथा ऊर्जा संरक्षण की दिशा में कारगर साबित हो रही है। प्रधानमंत्री सूर्यघर-मुफ्त बिजली योजना अंतर्गत स्थापित प्लांट नेट मीटरिंग द्वारा विद्युत ग्रिड से संयोजित होगा, जिससे उपभोक्ता द्वारा अपनी खपत से अधिक उत्पादित बिजली ग्रिड में सप्लाई हो जाती है। शासन द्वारा प्रधानमंत्री सूर्यघर-मुफ्त बिजली योजना अंतर्गत केंद्र सरकार 30 हजार रूपए से 78 हजार रूपए तथा राज्य सरकार से 15 से 30 हजार तक की सब्सिडी प्रति प्लांट दिए जाने का प्रावधान है। रूफ्टॉप सोलर संयंत्र की क्षमता अनुसार लागत राशि एवं सब्सिडी अलग-अलग है। उपभोक्ता द्वारा सोलर प्लांट के ब्रांड चयन कर सकते है। प्रधानमंत्री सूर्यघर-मुफ्त बिजली योजना का लाभ लेने के लिए आवेदक को वेबसाईट या पीएम सूर्यघर मोबाईल एप पर पंजीयन कर लॉग इन आईडी प्राप्त करना होगा। इसके बाद वेब पोर्टल पर उपलब्ध वेंडर का चुनाव कर बिजली कर्मचारी की मदद से वेब पोर्टल पर पूर्ण आवेदन करना होगा।

# कृषि मंत्री रामविचार नेताम गुजरात में आयोजित 'राइजिंग एग्री समिट' में हुए शामिल

श्रीकंचनपथ न्यूज



**रायपुर।** छत्तीसगढ़ के पशुधन एवं मछली पालन मंत्री रामविचार नेताम गुजरात के अहमदाबाद में आयोजित राइजिंग एग्री समिट में शामिल हुए। उन्होंने आनंद जिले के प्रसिद्ध अमूल प्रोसेसिंग प्लांट के डेयरी प्रबंधन, आधुनिक प्रोसेसिंग तकनीकों और मूल्य संवर्धन की प्रक्रियाओं का अवलोकन भी किया।

गुजरात में आयोजित इस समिट में देश-विदेश के विशेषज्ञों और नीति निर्माताओं के साथ कृषि क्षेत्र की चुनौतियों और संभावनाओं पर विस्तारपूर्वक विचार-विमर्श किया।

मंत्री श्री नेताम ने कहा कि गुजरात मॉडल की तर्ज पर ही इस यात्रा से प्राप्त अनुभवों को राज्य की नीतियों और योजनाओं में शामिल कर किसानों और पशुपालकों के लिए नए अवसर सृजित किए जाएंगे। मंत्री नेताम ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सभी प्रकार के किसानों के उन्नति के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने समिट में बताया कि छत्तीसगढ़ सरकार समर्थन मूल्य के साथ-साथ कृषि उन्नति योजना लाकर किसानों के समृद्धि के लिए काम कर रही है, वहीं भूमिहीन मजदूर किसानों के लिए भी वार्षिक सहायता का प्रावधान किया गया है। उन्होंने बताया कि हमारी सरकार कृषि विकास के कार्यों के साथ ही पशुपालक और मत्स्य किसानों की सशक्तिकरण पर विशेष ध्यान दिए हैं। उन्होंने बताया कि बस्तर और सरगुजा क्षेत्र में निवास करने वाले जनजातीय परिवारों को दुधारु गाय दिए जा रहे हैं। इससे वनांचल में रहने वाले जनजातियों को अतिरिक्त आमदनी हो रही जिससे, उनके जीवन में बदलाव देखने को मिल रहा है।

मंत्री श्री नेताम ने इस मौके पर छत्तीसगढ़ में डेयरी और पशुधन क्षेत्र को और अधिक सशक्त बनाने के लिए लिए गए फैसलों व बनाए गए नीतियों सहित संचालित योजनाओं के संबंध में विस्तार से जानकारी दी।

# स्वस्थ किशोरी, सशक्त भविष्य की ओर एक कदम और प्रदेशभर में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

श्रीकंचनपथ न्यूज



**रायपुर।** केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के मार्गदर्शन में संचालित ''स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान''के अंतर्गत स्वस्थ किशोरी, सशक्त भविष्य थीम पर प्रदेशभर में दूसरे दिन विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य किशोरियों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा एक स्वस्थ, समर्थ और सशक्त पीढ़ी की नींव को मजबूत करना रहा।

प्रदेश के सभी जिलों में शासकीय विद्यालयों, छात्रावासों एवं समुदाय स्तर पर माहवारी स्वच्छता, पोषण, एनीमिया और संपूर्ण स्वास्थ्य जीवनशैली से जुड़े विषयों पर विशेष सत्र आयोजित किए गए। इन सत्रों में स्वास्थ्य विशेषज्ञों, शिक्षकों तथा चिकित्सा अधिकारियों द्वारा किशोरियों से संवाद कर उन्हें सही जानकारी उपलब्ध कराई गई।

जनजातीय बहुल क्षेत्रों में स्थित छात्रावासों और विद्यालयों में विशेष रूप से सहभागिता-आधारित गतिविधियाँ आयोजित की गईं। कार्यक्रमों की एक प्रमुख विशेषता रही विषय पर आयोजित क्विज़ प्रतियोगिताएँ, जिनमें छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रमों की श्रृंखला में किशोरी बालिकाओं की हीमोग्लोबिन ( ।ख्) जांच की गई तथा गर्भवती माताओं एवं किशोरियों को एनीमिया की रोकथाम संबंधी जानकारी प्रदान की गई। माहवारी स्वच्छता पर विशेष परामर्श सत्रों के साथ सेनेटरी पैड का नि:शुल्क वितरण किया गया। यह अभियान न केवल किशोरियों के स्वास्थ्य और सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, बल्कि यह स्वस्थ नारी, सशक्त परिवारश् की संकल्पना को साकार करने का एक सशक्त माध्यम भी है।

# मां से ही संपूर्ण सृष्टि का आधार, प्रसव के दौरान माताओं की मौत सभी के लिए दुख की बात : श्याम बिहारी जायसवाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर। देश में 17 सितंबर से लेकर 2 अक्टूबर तक स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान का संचालन किया जा रहा है। इसी अभियान के अंतर्हत छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य विभाग, महिला बाल विकास विभाग और यूनिसेफके द्वारा संयुक्त रूप से छत्तीसगढ़ की महतारी, हम सबकी जिम्मेदारी अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान को लेकर शुक्रवार को दो दिवसीय कार्यशाला की शुरूआत की गयी।**



स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कार्यशाला के पहले दिन उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि मां से ही संपूर्ण सृष्टि का आधार होता है। ऐसे में प्रसव के दौरान किसी माता की मौत हम सभी के लिए दुख की बात होती है। उन्होंने कहा कि राज्य गठन के समय छत्तीसगढ़ में मातृ मृत्यु की दर 365 थी जो वर्तमान में घटकर 141 हो चुकी है। इसी तरह से राज्य गठन के वक्त शिशु मृत्यु दर 79 थी जो अब 38 हो चुकी है। श्री जायसवाल ने कहा कि राज्य में स्वास्थ्य सुविधाएं लगातार बढ़ रही हैं और हमारा लक्ष्य है कि आने वाले समय में ये शिशु और मातृ मृत्यु दर शून्य हो जाएं।

स्वास्थ्य मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि स्वस्थ छत्तीसगढ़ से ही स्वस्थ भारत बनेगा और देश को विकसित बनाने में स्वास्थ्य की अहम भूमिका होगी। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य कार्यकर्ता, मितानिन और महिला बाल विकास विभाग की बहनों के संयुक्त प्रयास से आने वाले समय में राज्य के स्वास्थ्य आंकड़ों में सुधार जरूर आएगा।

इस मौके पर आयुक्त सह संचालक स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. प्रियंका शुक्ला ने कहा कि राज्य सरकार ने मातृ स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता में रखते हुए छत्तीसगढ़ की महतारी, हम सबकी जिम्मेदारी नामक विशेष अभियान की शुरुआत की है। इस अभियान के माध्यम से न केवल माताओं को समय पर और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने पर बल दिया जा रहा है, बल्कि राज्य के उन 30 विकासखंडों पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया है जहाँ मातृ मृत्यु दर सबसे अधिक है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का मानना है कि उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की समय रहते पहचान और उनकी सतत निगरानी आवश्यक है। इसके साथ ही, सुरक्षित संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने और इसकी दिशा में सभी आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने को लेकर सरकार पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

गौरतलब है कि राज्य सरकार द्वारा विकसित स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है और मातृ स्वास्थ्य सेवाओं की प्रगति की नियमित समीक्षा और निगरानी की जा रही है। विशेष रूप से ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता बढ़ाने, समुदाय को मातृ स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने, उपलब्ध संसाधनों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने तथा समुदाय की भागीदारी को सशक्त बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

छत्तीसगढ़ की महतारी, हम सबकी जिम्मेदारी अभियान के माध्यम से राज्य में मातृ स्वास्थ्य के क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव लाने का लक्ष्य तय किया गया है और शासन इस दिशा में हरसंभव प्रयास करने के लिए प्रतिबद्ध है।

# सौर ऊर्जा से घर-घर हो रही बचत और आमदनी

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना ने रायगढ़ जिले में ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में ऐतिहासिक शुरुआत की है। अब घरों की छतें बिजली उत्पादन केंद्र बन गई हैं। उपभोक्ता इस योजना से न केवल घरेलू जरूरतें पूरी कर रहे हैं, बल्कि अतिरिक्त आय भी अर्जित कर रहे हैं। पुसौर निवासी प्रवीण कुमार ने अपने घर में 1.5 किलोवॉट क्षमता का सोलर प्लांट स्थापित किया है। अगस्त माह में प्लांट से 266 यूनिट बिजली उत्पन्न हुई, जिससे उन्हें 1,494 रुपए की छूट मिली। 273 यूनिट बिजली ग्रिड से लेने के बावजूद उनका कुल बिल मात्र 40 रुपए आया। श्री कुमार के अनुसार, सौर ऊर्जा से घर चलाने का अनुभव आर्थिक रूप से लाभकारी और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी उपयोगी है। इस योजना के तहत सोलर प्लांट लगाने पर केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संयुक्त रूप से उपभोक्ताओं 1 किलोवॉट क्षमता पर 45 हजार रुपए, 2 किलोवॉट क्षमता पर 90 हजार रुपए, 3 किलोवॉट क्षमता पर 1 लाख 8 हजार रुपए तक की आकर्षक सब्सिडी उपलब्ध करा रही है। उपभोक्ता चडेनतलंहींतण्हवअण्पद पोर्टल, पीएम सूर्य घर मोबाइल ऐप, सीएसपीडीसीएल की वेबसाइट अथवा मोर बिजली ऐप से आवेदन कर सकते हैं।

## खास खबर

### मशरूम के लिए गई महिला पर हाथी ने किया हमला, मौत

**जशपुर।** छत्तीसगढ़ में हाथियों के हमले बढ़ रहे और अब मामला कुनकुरी विकासखंड के कुडुकेला जंगलपारा से सामने आया है, जहां शनिवार सुबह हाथी ने महिला पर हमला कर दिया। घटना को लेकर ग्रामीणों में वन विभाग के खिलाफ नाराजगी है। वह वन टीम पर लापरवाही बरतने का आरोप लगा रहे हैं। जानकारी के मुताबिक, घर से 200 दूर जंगल की ओर ज्योति मिंज (44 साल) खुखड़ी (जंगली मशरूम) बिनने गई थी। घर वापस लौटने के दौरान वहां अचानक हाथी पहुंच गया, जिसके बाद उसने महिला पर पैर से हमला कर दिया। महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने महिला को हॉलीक्रॉस अस्पताल कुनकुरी में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। घटना के बाद से ग्रामीणों में वन विभाग के खिलाफ आक्रोश है। उन्होंने क्षेत्र में हाथी की मौजूदी को लेकर मुनादी नहीं कराने का आरोप लगाया है। बता दें कि शुक्रवार को बलरामपुर जिले के धरमजयगढ़ वन मंडल में हाथी ने महिला को कुचल दिया, जिससे उसकी मौत हो गई थी।

### प्रशासन का सख्त, 13 दुकानों पर चली चलानी कार्रवाई

**दंतेवाड़ा।** जिले में तंबाकू सेवन पर रोक लगाने और कानून का पालन सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। इस क्रम में कलेक्टर कुणाल दुदावत के निर्देश पर गठित टीम द्वारा राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के तहत विगत दिवस को विकासखंड में संचालित दुकानों की जांच किया गया। इस दौरान प्रतिबंधित सिगरेट और तंबाकू उत्पादों की बिक्री पाए जाने पर 13 दुकानों के खिलाफ कार्रवाई की गई तथा 1670 रुपये का चालान वसूला गया।

इस संबंध में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी की देखरेख में गठित टीम ने दुकानदारों को सख्त चेतावनी दी कि वे आगे से तंबाकू उत्पादों का प्रदर्शन और विज्ञापन न करें। साथ ही उन्हें यह भी समझाया गया कि तंबाकू की बिक्री और प्रचार-प्रसार पर नियंत्रण समाज के स्वास्थ्य हित में आवश्यक है। अधिकारियों ने कहा कि कानून का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध आगे भी इसी तरह की कार्रवाई जारी रहेगी। इस कार्यवाही के दौरान जिला नोडल अधिकारी राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम डॉ. अमन सिंह, ड्रग इंस्पेक्टर सौरभ जैन, जिला सलाहकार एनसीडी कार्यक्रम अंकित सिंह तथा दंतेवाड़ा थाना पुलिस दल मौजूद रहे।

### कोरबा में सर्पदंश से दो की मौत

**कोरबा।** जिले में करैत सांप ने एक ही परिवार के तीन सदस्यों को डस लिया, जिससे बाप-बेटे की मौत हो गई। जबकि मां की हालत गंभीर है। परिजनों का आरोप है कि अस्पताल में एंटी-स्नेक वेनम न होने का हवाला देकर समय पर इलाज नहीं किया गया, जिससे दोनों की मौत हो गई। मामला बालको थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, चूड़ामणि भारद्वाज (52) बालको प्लांट में काम करता था। वह पत्नी रजनी (41) और 10 साल के बेटे प्रिंस के साथ दर्री थाना क्षेत्र के इंदिरा नगर में रहता था। शुक्रवार सुबह करीब 4 बजे चूड़ामणि को सांप ने डस लिया।

# भिलाई में फिर कटर बाजी, गाली-गलौच करने से मना करने पर बदमाशों ने सीने पर चलाया कटर

श्रीकंचनपथ न्यूज

**भिलाई।** छावनी थाना क्षेत्र के तहत शारदापारा कैंप-2 में बीती रात बदमाशों ने युवक के सीने पर कटर से वार कर दिया। युवक ने मोहल्ले में गाली गलौच करने से मना किया तो इस तरह का खौफनाक कदम उठाया। घटना की जानकारी मिलने के बाद छावनी पुलिस ने घटना स्थल पहुंचकर जांच शुरू की। वहीं गंभीर रूप से घायल युवक को शास्त्री अस्पताल पहुंचाया गया। इस मामले में छावनी पुलिस ने घायल की पत्नी की शिकायत पर हेमंत निषाद , कृषी थापा , किन्सू थापा के खिलाफ धारा 115(2)-BNS, 118(1)-BNS, 119(1)-BNS, 296-BNS, 3(5)-BNS, 351(3)-BNS के तहत अपराध दर्ज किया है।

दरअसल यह घटना गुरुवार रात लगभग 8:30 बजे की है। संदीप कुमार पाल घर के सामने खडे थे। इस दौरान मोहल्ले में रात्रि करीबन 08.30 बजे हेमंत निषाद अपने साथी कृषी थापा, किन्सू थापा गाली गलौच कर रहे थे। संदीप पाल की पत्नी ने बताया कि तीनों ने उसके पति से शराब पीने के लिए रुपए मांगे नहीं देने पर गाली देना शुरू कर दिया। संदीप पाल ने तीनों को गाली गलौच करने से मना किया तो वे वहां से चले गए।

कुछ देर बाद हेमंत निषाद अपने साथियों के साथ आया और मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान कटर से सीने में तीन चार वार किए जिससे सीना लगभग 6 इंच तक कट गया। इसके बाद सभी भाग गए। परिजनों ने पुलिस को सूचना दी और घायल संदीप पाल को अस्पताल पहुंचाया। लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल में संदीप का इलाज चल रहा है। वहीं घटना के बाद पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी। देर रात आरोपी हेमंत निषाद को हिरासत में लिया गया। वहीं अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।

## मणिपुर में उग्रवादियों की गोलीबारी में बस्तर का लाल शहीद बेटियों से छिना पिता का साया, परिवार में छाया मातम

**जगदलपुर/मणिपुर।** मणिपुर में शुक्रवार शाम उग्रवादियों द्वारा किए गए हमले में असम राइफल्स के दो जवान शहीद हो गए। शहीदों में छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले के बालेंगा ग्राम उपयगुड़ापारा निवासी रंजीत कुमार कश्यप भी शामिल हैं। यह खबर मिलते ही पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। घर के आंगन में परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। बुजुर्ग माँ-बाप का सहारा छिन गया, वहीं रंजीत की तीन मासूम बेटियों के सिर से पिता का साया उठ गया। अधिकारियों से मिली जानकारी के मुताबिक, शुक्रवार शाम करीब 6 बजे बिष्णुपुर जिले के नांबोल सबल लीकाई इलाके में उग्रवादियों ने असम राइफल्स के काफिले पर घात लगाकर हमला किया। अचानक हुई गोलीबारी में एक वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। इस हमले में एक जूनियर कमीशंड ऑफिसर (जेसीओ) और जवान रंजीत कुमार कश्यप शहीद हो गए, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हैं। घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिनमें से एक की हालत नाजुक बताई जा रही है।

## बालोद में सड़क हादसा: ड्यूटी पर लौट रहे सीआरपीएफ जवानों से भरी बस पलटी

श्रीकंचनपथ न्यूज

**बालोद।** जिले में भीषण सड़क हादसा हुआ है। रायपुर से छुट्टी के बाद वापस ड्यूटी पर लौट रहे सीआरपीएफ जवानों से भरी बस हादसे का शिकार हो गई। शुक्रवार की देर रात यात्री बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई। 4 यात्रियों गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि एक जवान के हाथ में चोट आई है। घायलों को शहीद हॉस्पिटल इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। घटना दल्लीराजहरा थाना क्षेत्र के शिकारीटोला गांव की है। जानकारी के मुताबिक, लगभग 16 सीआरपीएफ जवान छुट्टी मनाकर वापस ड्यूटी पर लौटने के लिए रायपुर से यात्री बस (पायल ट्रेवल्स) में सवार हुए थे। बस में सीआरपीएफ जवान और करीब 15 यात्री सवार थे। सभी जवान भोपालट्टनम कैंप में ड्यूटी पर लौट रहे थे। इनमें एएसआई सुभाष सिंह भी शामिल थे। शिकारीटोला गांव के नजदीक देर रात 12:15 बजे बस अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई। हादसे में 4 यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए, वहीं 1 जवान के हाथ पर गंभीर चोटें आई है। बस चालक मौके से फरार हो गया है। हादसे के बाद घायलों को अस्पताल में इलाज के लिए लाया गया। सीआरपीएफ जवानों के सामान और मोबाइल बस के नीचे दब गए हैं। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

## बाइक स्टंट और बिना नंबर प्लेट वाहनों पर सिविल लाइन पुलिस ने की बड़ी कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

**बिलासपुर।** सड़क पर तेज रफ्तार और स्टंटबाजी करने वालों के खिलाफ बिलासपुर पुलिस का शिकंजा कसता जा रहा है। थाना सिविल लाइन पुलिस ने विशेष चेकिंग अभियान चलाकर बाइक स्टंट और बिना नंबर प्लेट वाली मोटरसाइकिलों पर बड़ी कार्रवाई की। इस दौरान न्यू रिवर व्यू क्षेत्र में खतरनाक तरीके से स्टंट कर रहे दो युवकों को रंगे हाथों पकड़ा गया, जबकि तीन बाइकें बिना नंबर प्लेट के पाई गईं। पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर अपराध दर्ज किया और जब्त बाइक थाने में खड़ी कर दी। सिविल लाइन पुलिस को लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि न्यू रिवर व्यू क्षेत्र में कुछ युवक रात के समय मोटरसाइकिल से खतरनाक स्टंट करते हैं। ये न केवल अपनी बल्कि आम नागरिकों की जान को भी जोखिम में डालते हैं। इसी सूचना के आधार पर पुलिस ने गुरुवार शाम इलाके में नाकाबंदी और गश्त बढ़ाई। तभी पुलिस की नजर दो तेज रफ्तार मोटरसाइकिलों पर पड़ी, जो खतरनाक स्टंट कर रही थीं। पुलिस ने घेराबंदी कर दोनों बाइक सवारों को पकड़ लिया।

पकड़े गए युवकों में रितेश मोहन पिता स्व. रंजीत दास, निवासी पत्थलगांव, जशपुर। यह एनएक्स 400 पल्सर (क्रमांक CG-14 MU 1413) पर सवार था। विकास चौहान पिता मोहन कुमार चौहान, निवासी लैलूंगा, रायगढ़। यह एनएक्स 400 पल्सर (क्रमांक CG-14 MV 3134) पर स्टंट कर रहा था। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ धारा 281, 3(5) BNS एवं 184, 189 मोटर व्हीकल एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया।

चेकिंग अभियान के दौरान पुलिस को तीन मोटरसाइकिलें ऐसी भी मिलीं, जिन पर नंबर प्लेट नहीं लगी थी। जब बाइक मालिकों से कागजात मांगे गए, तो वे कोई भी दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर पाए। ऐसे में पुलिस ने धारा 106 BNSS के तहत तीनों मोटरसाइकिलों को जब्त कर थाने ले आई। पुलिस ने कहा- सुरक्षा से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं थाना सिविल लाइन पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सड़क पर खतरनाक स्टंट करने वाले युवक न केवल अपनी बल्कि राहगीरों की भी जिंदगी से खिलवाड़ करते हैं। कई बार इस तरह की हरकतों से बड़े हादसे हो जाते हैं। ऐसे मामलों पर अब जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई गई है। अभियान का उद्देश्य शहर में सुरक्षित यातायात व्यवस्था बनाए रखना और आम नागरिकों को राहत देना है। पुलिस ने साफ किया है कि भविष्य में भी ऐसे स्टंटबाजों और अवैध तरीके से चलने वाले वाहनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

# पत्नी की शराब की लत से परेशान पति ने गला दबाकर कर दी हत्या

श्रीकंचनपथ न्यूज

**दुर्ग।** पाटन थाना क्षेत्र के पंदर गांव में पति ने शराबी पत्नी से परेशान होकर उसका गला दबाकर हत्या कर दी। उसके बाद पति ने तबियत खराब होने की बात कहते हुए उसे अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने महिला को मृत घोषित कर दिया। अस्पताल प्रबंधन ने इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम कराया। जिसकी रिपोर्ट में गला दबाकर हत्या की पुष्टि हुई। जिसके बाद आरोपी पति के खिलाफहत्या का मामला दर्ज कर गिरफ्तार किया गया।

जानकारी के मुताबिक, मृतक प्रीति वर्मा नशे की आदी थी। इसी बात को लेकर पति होरी लाल वर्मा से उसका आए दिन विवाद होता रहता था। घटना वाले दिन भी महिला नशे में पति से मारपीट कर रही थी। उसी दौरान गुस्से में आकर होरीलाल ने पत्नी का गला दबाकर हत्या कर दी। बाद में लोगों को भ्रमित करने के लिए चक्कर आकर बेहोश होने की जानकारी देकर अस्पताल ले गया। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हत्या की बात सामने आई।

आरोपी होरी लाल वर्मा ने बताया कि औंधी गांव में कार्यक्रम के दौरान दोनों की जान पहचान हुई थी। उसके बाद दोनों फोन पर बात करने लगे। उसके बाद घर वालों की सहमति से प्रीति से शादी की। 2-3 महीने होने के बाद प्रीति अलग रहने की जिद करने लगी। जिसके बाद दोनों अलग रहने लगे। लेकिन उसके बाद भी नशे में आए दिन विवाद करती थी, जिससे परेशान होकर उसने गला दबाकर हत्या की वारदात को अंजाम दिया है। बताया जा रहा है कि प्रीति की यह दूसरी शादी थी। प्रीति वर्मा अपने पहले पति से भी आए दिन विवाद करती थी जिसके चलते 5 साल पहले छोड़कर अलग रहने लगा। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

## सीजीपीएससी घोटाला : सीबीआई ने रिटायर्ड आईएएस सहित पांच आरोपियों को किया गिरफ्तार, कोर्ट में किया पेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** सीबीआई ने छत्तीसगढ़ पीएससी एग्जाम 2020-2021 घोटाले मामले में रिटायर्ड आईएएस समेत पांच आरोपियों को हिरासत में लिया है। लोक सेवा आयोग की परीक्षा नियंत्रक रही आरती वासनिक, पीएससी के सचिव रह चुके पूर्व आईएएस जीवनलाल ध्रुव, उनके बेटे सुमित ध्रुव, समेत निशा कोसले, दीपा आदिल को हिरासत में लेकर स्पेशल कोर्ट में पेश किया। मामले में पूछताछ कर रही है।

इससे पूर्व भी सीबीआई ने वासनिक को हिरासत में लिया था, लेकिन पूछताछ के बाद छोड़ दिया था। इस घोटाले में पहले ही सात लोगों गिरफ्तार किये गये थे। सीबीआई ने तत्कालीन अध्यक्ष टामन सिंह सोनवानी और बजरंग पॉवर एंड इस्पात के तत्कालीन निदेशक श्रवण कुमार गोयल को गिरफ्तार किया था। फिर पांच और आरोपियों को अरेस्ट किया था। इन पांच आरोपियों में नितेश सोनवानी और ललित गणवीर शामिल हैं। 12 जनवरी को शशांक गोयल, भूमिका कटियार और साहिल सोनवानी को गिरफ्तार किया गया था। वर्तमान में सभी आरोपी जेल की सजा काट रहे हैं।

### क्या है सीजीपीएससी घोटोला

यह मामला सीजीपीएससी की भर्ती प्रक्रिया 2020-2022 के बीच हुई अनियमितताओं से जुड़ा है। आरोप है कि इस भर्ती प्रक्रिया में योग्य अभ्यर्थियों की उपेक्षा कर प्रभावशाली राजनेताओं और सीनियर ऑफिसर्स के रिश्तेदारों, उनके करीबियों और परिजनों को डिप्टी कलेक्टर, डीएसपी समेत अन्य उच्च पदों पर चयनित किया गया था।

इससे भर्ती प्रक्रिया की पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े हुए थे। इस घोटाले मामले में श्रवण कुमार गोयल ने अपने बहू और बेटे को डिप्टी कलेक्टर के रूप में चयन कराने के लिये सीजीपीएससी के पूर्व अध्यक्ष टामन सिंह सोनवानी को कथित रूप से 45 लाख रुपये रिश्वत के रूप में दिये थे। आरोप है कि उन्होंने ग्रामीण विकास समिति के माध्यम से दो किश्तों में 20 लाख और 25 लाख रुपये कथित रूप से रिश्वत राशि का भुगतान किया था। ये रिश्वत गोयल के बेटे शशांक गोयल और बहू भूमिका कटारिया का छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में उप जिलाधिकारी के रूप में चयन करने के लिये दी गई थी।

## शादी का झांसा देकर किया दुष्कर्म, गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

**कोरबा।** मानिकपुर चौकी क्षेत्र में एक शिक्षिका ने युवक पर शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी युवक को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि पीड़िता पारिवारिक विवाद के चलते पति से तलाक होने के बाद वह अपने दो बच्चों के साथ रह रही थी।

पीड़िता की मुलाकात एसईसीएल कॉलोनी सुभाष ब्लॉक निवासी अनिकेत श्रीवास्तव से हुई थी। अनिकेत एक निजी कंपनी में कार्यरत है और कार फाइनेंस के नाम पर शिक्षिका से मिला था। दोनों ने मोबाइल नंबर साझा किए और बातचीत शुरू की। इसी दौरान युवक ने शिक्षिका की निजी जानकारी हासिल कर उसे शादी का झांसा देना शुरू कर दिया।

युवक ने शिक्षिका को शादी करने और उसके दोनों बच्चों को भी साथ रखने का वादा किया, जिसके बाद उनके बीच शारीरिक संबंध बने। जब शिक्षिका ने शादी के लिए दबाव डाला, तो आरोपी ने शादी करने से इनकार कर दिया। इसके बाद पीड़िता ने मानिकपुर चौकी में शिकायत दर्ज कराई। मानिकपुर चौकी पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए आरोपी अनिकेत श्रीवास्तव को गिरफ्तार कर लिया। एएसआई सुदामा पाटले ने बताया कि अप्रैल 2023 में मुलाकात के बाद युवक ने पीड़िता को पत्नी बनाने और बच्चों को साथ रखने का झांसा देकर संबंध बनाए थे। आरोपी को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

# प्रदेश में नक्सलवाद समाप्त कर गढ़ेंगे विकास की राह : मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने गुरुवार को एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद को समाप्त करना, लोगों का विश्वास जीतना और विकास की दिशा में आगे बढ़ना हमारी सरकार के प्रमुख उद्देश्यों में से एक है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार इस उद्देश्य को धरातल पर उतारने के लिए नियद नेल्लानार योजना के माध्यम से लोगों के जीवन स्तर को उन्नत बनाने का कार्य कर रही है। अब तक नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के अनेक गांव पुनः आबाद हो चुके हैं।

सीएम साय ने कहा है कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को रोजगार से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। नक्सलियों की गतिविधियों से निर्दोष लोगों की मौत हो रही थी, आम लोगों की रक्षा करना सरकार का दायित्व है। हमारी सरकार ने नक्सलवाद को 31 मार्च 2026 तक समाप्त करने का लक्ष्य रखा है। सरकार बनने के बाद ज्वाइंट टास्क फोर्स का गठन कर नक्सलवाद को समाप्त करने का प्रयास जारी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ बस्तर के लोगों को मिल रहा है। वनांचल में तेंदूपत्ता खरीदी का कार्य सहकारी समितियों के माध्यम से किया जा रहा है। नक्सलवादी विचारधारा से लोगों को बाहर निकालकर विकास की धारा में जोड़ने के उद्देश्य से बस्तर ओलंपिक और बस्तर पंडुम का आयोजन किया गया। बस्तर ओलंपिक में 1 लाख 65 हजार लोग शामिल हुए, जिससे यह साबित हुआ कि बस्तरवासी विकास की राह पर आगे बढ़ना चाहते हैं।

### विकसित भारत के साथ विकसित छत्तीसगढ़ का संकल्प होगा पूरा

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र के रूप में स्थापित करना प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का संकल्प है। यह संकल्प सबकी सहभागिता से ही पूरा होगा और इसे साकार करने के लिए केंद्र और राज्य सरकार निरंतर कार्य कर रही हैं। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के संकल्प के साथ ही अंजोर विजन-2047 (छत्तीसगढ़ विजन) डॉक्यूमेंट तैयार किया गया है, जिसके माध्यम से राज्य के सर्वांगीण विकास के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने आह्वान किया कि सभी को मिलकर विकसित छत्तीसगढ़ बनाने में सहयोग करना चाहिए।

मुख्यमंत्री साय ने अपनी विदेश यात्रा के बारे में बताया कि यह यात्रा अत्यंत सफल रही। जापान में छत्तीसगढ़ पवेलियन के माध्यम से 24 से 31 अगस्त तक हमें राज्य की कला, संस्कृति और संभावनाओं को प्रदर्शित करने का अवसर मिला। उन्होंने बताया कि प्रदेश में उद्योग स्थापित करने के लिए निवेशकों को आमंत्रित किया गया है और उन्हें नई उद्योग नीति से भी अवगत कराया गया है। नई उद्योग नीति में रोजगार सृजन को विशेष प्राथमिकता दी गई है।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में उद्योग की अपार संभावनाएँ हैं। यहाँ प्रचुर प्राकृतिक संपदा उपलब्ध है। आयुर्वेद और हर्बल उत्पादों के क्षेत्र में भी यहाँ विशाल संभावनाएँ हैं क्योंकि राज्य का लगभग 44 प्रतिशत हिस्सा वनों से आच्छादित है। उन्होंने कहा कि दूरस्थ वनांचलों में भी स्वास्थ्य सेवाओं का व्यापक विकास हुआ है। वर्तमान में प्रदेश में 15 मेडिकल कॉलेज, आईआईटी, एनआईटी, आईआईएम, नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी सहित कई उच्च शिक्षण संस्थानों की स्थापना हो चुकी है। मुख्यमंत्री साय ने लोगों से आग्रह किया कि गायों को लावारिस न छोड़ा जाए। लावारिस पशुओं के कारण सड़क दुर्घटनाएँ हो रही हैं। गौवंश की रक्षा करना हम सबका दायित्व है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में गोचर भूमि पर अवैध कब्जों को हटाने के लिए सरकार सख्त कार्रवाई कर रही है।

## मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने श्रद्धेय शांताराम सर्राफ को अर्पित की श्रद्धांजलि

**रायपुर।** मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय राजधानी रायपुर स्थित इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के सभागार में आयोजित शांता राम सर्राफजी की श्रद्धांजलि सभा में सम्मिलित हुए। मुख्यमंत्री श्री साय ने शांता राम सर्राफ जी के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा शोकाकुल परिजनों को दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करे। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, पूर्व राज्यपाल रमेश बैस, उपमुख्यमंत्रीद्वय अरुण साव एवं विजय शर्मा, कैबिनेट मंत्री केदार कश्यप, लखनलाल देवांगन, दयालदास बघेल, श्याम बिहारी जायसवाल, गजेन्द्र यादव, टंकराम वर्मा, श्रीमती लक्ष्मी रजवाड़े सहित अन्य गणमान्यजन बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

# एनएचएम कर्मचारियों द्वारा हड़ताल समाप्त करने का निर्णय स्वागतयोग्य : मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

### मुख्यमंत्री से छत्तीसगढ़ प्रदेश एनएचएम कर्मचारी संघ के प्रतिनिधिमंडल ने की मुलाकात

**रायपुर।** मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में छत्तीसगढ़ प्रदेश एनएचएम कर्मचारी संघ के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने अपनी प्रमुख मांगें पूर्ण होने पर मुख्यमंत्री साय का आभार जताते हुए प्रदेशव्यापी हड़ताल वापस लिए जाने के निर्णय से उन्हें अवगत कराया।

मुख्यमंत्री साय को प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि कल से प्रदेशभर में एनएचएम कर्मचारी काम पर लौटेंगे। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) कर्मचारियों द्वारा हड़ताल समाप्त किए जाने के निर्णय का स्वागत करते हुए इसे सराहनीय और राज्यहित में उठाया गया कदम बताया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार हर कर्मचारी को अपने परिवार का हिस्सा मानती है और उनकी जायज़ मांगों के प्रति सदैव संवेदनशील रही है। उन्होंने कहा कि जनता का स्वास्थ्य हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है और सरकार ने सदैव इस दिशा में ठोस पहल की है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि एनएचएम कर्मचारियों के इस निर्णय से प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाएँ और मज़बूत होंगी तथा जनता को उत्कृष्ट और सुलभ चिकित्सा सुविधाएँ मिलेंगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सरकार और कर्मचारियों के सामूहिक प्रयासों से छत्तीसगढ़ एक और बेहतर, स्वस्थ एवं उज्ज्वल भविष्य की ओर अग्रसर होगा। उल्लेखनीय है कि एनएचएम कर्मचारी अपनी दस सूत्रीय मांगों को लेकर हड़ताल पर गए थे। राज्य सरकार ने इनमें से चार मांगों को पूरा कर दिया है। तीन अन्य मांगों पर समिति गठित कर कार्यवाही प्रारंभ की गई है, जबकि संविलयन, पब्लिक हेल्थ केडर और आरक्षण संबंधी मांगों पर भारत सरकार से निर्णय लिया जाना है। इससे पहले स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की पहल पर हड़ताल समाप्त होने पर आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि राज्य का प्रत्येक कर्मचारी परिवार का सदस्य है और एनएचएम कर्मचारियों ने हड़ताल समाप्त कर राज्यहित में सराहनीय निर्णय लिया है।

इस अवसर पर विधायक किरण देव, छत्तीसगढ़ प्रदेश एनएचएम कर्मचारी संघ से डॉ अमित मिरी, डॉ रविशंकर दीक्षित, पूरन दास, कौशलेश तिवारी, हेमंत सिन्हा, दिनेश चंद्र, संतोष चंदेल, प्रफुल्ल पाल, डॉ देवकांत चतुर्वेदी सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

# फिजिक्स, केमेस्ट्री और संस्कृत से दूर हुआ डर

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** कोरबा जिले के करतला विकासखण्ड अंतर्गत वनांचल ग्राम केरवाद्वारी में स्थित हायर सेकेण्डरी विद्यालय में अब पढ़ाई का माहौल पूरी तरह बदल गया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा लागू की गई युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया ने यहां के विद्यार्थियों के सपनों को नई उड़ान दी है।

विद्यालय में भौतिकी एवं रसायन जैसे महत्वपूर्ण विषयों के नियमित व्याख्याता न होने से विद्यार्थियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। अभिभावक भी चाहते थे कि उनके बच्चों को सभी विषयों की नियमित पढ़ाई का अवसर मिले। युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया के तहत केरवाद्वारी हायर सेकेण्डरी विद्यालय में भौतिकी, रसायन एवं संस्कृत विषय के व्याख्याताओं की पदस्थापना हुई। इससे विद्यालय में न केवल पढ़ाई का माहौल सुधरा है, बल्कि विद्यार्थियों का आत्मविश्वास भी बढ़ा है। कक्षा ग्यारहवीं एवं बारहवीं के विद्यार्थियों ने बताया कि अब उन्हें कठिन लगने वाले प्रश्न भी सरल ढंग से समझ में आने लगे हैं। शिक्षिकाओं द्वारा किताबों के साथ-साथ व्यावहारिक उदाहरणों से पढ़ाने की शैली ने विषयों को रोचक बना दिया है। छात्राओं ने कहा कि शिक्षिकाएँ सहज और सहयोगी वातावरण में पढ़ाती हैं, जिससे सवाल पूछने में झिझक नहीं होती। विद्यालय के प्राचार्य श्री सतीश कुमार गुप्ता ने बताया कि नियमित व्याख्याताओं की पदस्थापना से विद्यार्थियों का उत्साह बढ़ा है और आने वाले वर्षों में और अधिक विद्यार्थी विज्ञान संकाय सहित अन्य विषयों में दाखिला लेंगे।

ग्रामवासियों ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं राज्य शासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार की इस पहल ने वनांचल के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने का अवसर दिया है।

## पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से प्रतिभा को मिली बिजली बिल के बोझ से मुक्ति

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** प्रतिभा वर्मा ने बताया कि जुलाई महीने में अपने घर पर 3 किलोवॉट का सोलर सिस्टम लगवाया, जिससे बिजली बिल का बोझ लगभग खत्म हो गया और अब वे निश्चिंत होकर स्वच्छ और सस्ती ऊर्जा का उपयोग कर रहे हैं। इस योजना के तहत केंद्र सरकार से उन्हें 78 हजार रुपये की सब्सिडी मिली, वहीं राज्य सरकार से अतिरिक्त 30 हजार रुपये की सहायता प्राप्त हुई।

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से प्रतिभा वर्मा को अब बिजली बिल की राशि जमा करने के बोझ से मुक्ति मिली है। योजना के तहत अपने घर के छत में सोलर पैनल लगवाकर सौर ऊर्जा से बिजली का उपयोग कर रहे हैं। लक्ष्मण विहार कॉलोनी बलौदाबाजार की रहने वाली प्रतिभा वर्मा पति बृजभूषण वर्मा बताते हैं कि वे लंबे समय से बिजली के भारी-भरकम बिलों से परेशान थीं। तभी दुर्ग में रहने वाली उनकी बहन ने उन्हें पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के बारे में बताया। बहन के घर पर सोलर सिस्टम पहले से लगा हुआ था और उसके अनुभव को सुनकर उन्हें भी इस योजना से जुड़ने की प्रेरणा मिली।

उनका कहना है कि यह योजना हर घर के लिए बेहद फायदेमंद है और सभी को इस अवसर का लाभ उठाना चाहिए। वह अपील करती हैं कि लोग भी पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत अपने घरों में सोलर सिस्टम जरूर लगवाएं, क्योंकि यह न केवल बिजली के बिल से मुक्त करता है बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ पर्यावरण सुनिश्चित करने में भी योगदान देता है।

# कबीरधाम जिले के 11 परिवारों ने बढ़ाया प्रधानमंत्री सूर्यघर मुक्त बिजली योजना की ओर कदम

### आत्मनिर्भरता और पर्यावरण संरक्षण की नई दिशा, कबीरधाम जिले से शुरू हुई ऊर्जा क्रांति की कहानी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना ने कबीरधाम जिले में ऊर्जा आत्मनिर्भरता की नई राह खोली है। जिले के 11 परिवारों ने अपने घरों पर सोलर रूफटॉप प्लांट स्थापित कर यह बता रहे हैं कि यह योजना केवल बिजली बिल बचत का माध्यम नहीं, बल्कि आर्थिक सशक्तिकरण और पर्यावरण संरक्षण की जनआंदोलन जैसी पहल कम नही है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मंशानुरूप कबीरधाम कलेक्टर श्री गोपाल वर्मा के मार्गदर्शन में योजना का क्रियान्वयन तेज रफ्तार से हो रहा है। अब तक जिले में 94 से अधिक हितग्राही वेंडर का चयन कर चुके हैं और कई को सब्सिडी राशि सीधे उनके बैंक खातों में हस्तांतरित की जा चुकी है। आने वाले महीनों में हजारों परिवार इस योजना से जुड़ने के लिए आगे बढ़ रहे हैं। कबीरधाम जिले के 11 परिवार जिन्होंने इस योजना को अपनाया है, उसमें योगेन्द्र सिंह कश्यप (राजमहल चौक, कवर्धा), नरेश कुमार चंद्रवंशी एवं रितेश कुमार चंद्रवंशी (दौजरी), सतीश कुमार धवलकर (मठपारा वार्ड-3),श्रीमती लीना तिवारी (मठपारा वार्ड-12), रोशन राम (नागर जवादन रोड), कुमारी देवी सोम (श्याम नगर), ओंकार साहू (रामनगर), सरोज बाई ठाकुर, माधुरी (कालिका नगर) इन परिवारों की छतों पर लगाए गए 1 से 3 किलोवाट क्षमता वाले सोलर पैनल प्रतिमाह लगभग 300 यूनिट मुफ्त बिजली का उत्पादन कर रहे हैं।

इतना ही नहीं, अतिरिक्त बिजली को सीएसपीडीसीएल ग्रिड में भेजकर वे भविष्य के बिलों में क्रेडिट का लाभ भी ले रहे हैं। लाभार्थियों ने अपने-अपने अनुभव को साझा करते हुए कहा कि यह योजना भविष्य के लिए सुखद है योगेन्द्र सिंह कश्यप ने बताया कि पहले हर महीने बिजली बिल की चिंता रहती थी, अब सोलर रूफटॉप लगने से बिजली बिल लगभग खत्म हो गया है। यह योजना हितग्राहियों के लिए राहत और बचत दोनों लेकर आई है। ग्राम दौजरी निवासी नरेश कुमार चंद्रवंशी ने बताया कि प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना से हम आत्मनिर्भर हो गए हैं।

अब हम सिर्फ उपभोक्ता नहीं, बल्कि ऊर्जा उत्पादक भी बन गए हैं। श्रीमती लीना तिवारी, मठपारा निवासी ने कहा कि सोलर से घर की जरूरतें तो पूरी हो ही रही है और अतिरिक्त बिजली ग्रिड में भेजने पर अगले बिल में भी लाभ मिल रहा है। श्री सतीश कुमार धवलकर ने कहा कि सूर्यघर योजना से घर रोशन हो गया है और खर्च भी घट गया है। हम चाहते हैं कि जिले के हर घर में यह सुविधा मिले।

कबीरधाम जिले के अधीक्षण अभियंता रंजीत घोष ने बताया कि सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत घरेलू उपभोक्ताओं को 1 से 3 किलोवाट तक के सोलर सिस्टम लगाने पर 45 हजार से एक लाख 8 हजार रूपए तक की वित्तीय सहायता मिल रही है। इस योजना के तहत प्राप्त सभी आवेदकों को इस योजना से लाभान्वित किया जाएगा।

# शहीद वीर नारायण सिंह संग्रहालय के निर्माण कार्य का प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा द्वारा निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नवा रायपुर में आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान के समीप निर्माणाधीन शहीद वीर नारायण सिंह आदिवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय का आज प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा द्वारा निरीक्षण किया गया। उन्होंने कहा कि यह बहुत ही गर्व की बात है कि संग्रहालय का लोकार्पण देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कर कमलों से राज्योत्सव के समय किया जाना है। अतः इसके निर्माण कार्य में किसी प्रकार की कोताही नहीं होनी चाहिए।

संग्रहालय का कार्य किसी भी स्थिति में 30 सितंबर तक पूर्ण हो जाना चाहिए तथा शेष फिनिशिंग कार्य अक्टूबर के पहले हफ्ते में पूरा कर लिया जाए। साथ ही सभी कार्य पूर्ण गुणवत्ता के साथ सभी मानकों के अनुरूप होना चाहिए। निरीक्षण के दौरान उनके साथ आयुक्त डॉ. सारांश मित्तर, टीआरटीआई संचालक श्रीमती हिना अनिमेष नेताम, उपायुक्त श्रीमती गायत्री नेताम, निर्माण एजेंसी के अधिकारी, क्यूरेटर, इंजीनियरर्स, आर्ट कलाकार एवं अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

प्रमुख सचिव श्री बोरा ने कड़े लहजे में निर्देश दिए कि संग्रहालय में लगने वाली मूर्तियां, कैनवास वर्क, डिजिटल वर्क एवं अन्य सभी लंबित कार्यों को निर्धारित समय सीमा में पूर्ण गुणवत्ता के साथ पूरा कर लिया जाए अन्यथा संबंधित पर कड़ी अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने संग्रहालय में प्रवेश से पूर्ण टिकट काउंटर पर लगे स्कैनिंग कार्य को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए एवं अगले निरीक्षण से पूर्व इसके वर्किंग स्थिति में आ जाने के निर्देश दिए। संग्रहालय के प्रवेश द्वार के संबंध में कुछ सुधार करने के निर्देश दिए गए। संग्रहालय के चारों ओर बड़े अक्षरों में संग्रहालय का नाम लिखे जाने के निर्देश दिए गए ताकि दूर से ही संग्रहालय की जानकारी आमजन को मिल सके।

उन्होंने संग्रहालय में अच्छा सेल्फी प्वाइंट बनाने के निर्देश दिए। साथ ही प्रोजेक्शन वर्क को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। गैलरी के निरीक्षण के दौरान उसमें लगने वाली लाइट के संबंध में आवश्यक सुधार करने के निर्देश दिए गए। प्रत्येक गैलरी में बनाई गई जीवंत झांकी के सामने स्कैनर लगाने के निर्देश दिए गए ताकि कोई भी आगतुंक उसे स्कैन करके अपने मोबाइल पर उससे संबंधित जानकारी आसानी से प्राप्त कर सके।

उन्होंने आयुक्त डॉ.सारांश मित्तर एवं संचालक, टीआरटीआई श्रीमती हिना अनिमेष नेताम को संग्रहालय का प्रतिदिन निरीक्षण कर अद्यतन स्थिति से अवगत कराने के निर्देश दिए। किसी भी प्रकार की कोई समस्या हाने पर उन्हें तत्काल इसकी जानकारी दी जाए ताकि अविलंब इसका समाधान किया जा सके। इससे पूर्व आयुक्त डॉ.सारांश मित्तर द्वारा भी निर्माण कार्य में होने वाले विलम्ब एवं फिनिशिंग कार्य की गुणवत्ता को लेकर निर्माण एजेंसी के ठेकेदार एवं क्यूरेटर से नाराजगी व्यक्त की गई एवं इसे शीघ्र सुधारने के निर्देश दिए गए।

प्रमुख सचिव बोरा ने संग्रहालय में डिजीटलीकरण कार्य, दिव्यांगजनों हेतु पृथक पार्किंग व्यवस्था, सॉवेनियर शॉप, गार्डनिंग, वॉटर सप्लाई की स्थिति को मौके पर निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश का यह पहला संग्रहालय है जो कि छत्तीसगढ़ के आदिवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के उच्च शौर्य एवं बलिदान को समर्पित है अतः इसके निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा संग्रहालय के निर्माण में किसी भी प्रकार की कोई वित्तीय अनियमितता ना हो, इसका पूरा ध्यान रखा जाना चाहिए।

उल्लेखनीय है कि शहीद वीर नारायण सिंह संग्रहालय में स्वतंत्रता आंदोलन के समय छ.ग. में हुए विभिन्न आदिवासी विद्रोहों जैसे - हल्बा विद्रोह, सरगुजा विद्रोह, भोपालपट्टनम विद्रोह, परलकोट विद्रोह, तारापुर विद्रोह, लिंगागिरी विद्रोह, कोई विद्रोह, मेरिया विद्रोह, मुरिया विद्रोह, रानी चौरिस विद्रोह, भूमकाल विद्रोह, सोनाखान विद्रोह, झण्डा सत्याग्रह एवं जंगल सत्याग्रह के वीर आदिवासी नायकों के संघर्ष (1923, 1920) एवं शौर्य के दृश्य का जीवंत प्रदर्शन किया गया है। उन्होंने कहा कि निश्चित ही यह संग्रहालय सभी वर्ग के लोगों के लिए एक आकर्षण का केन्द्र एवं प्रेरणास्रोत के रूप में बनकर उभरेगा।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950